माघ शुक्ल - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 184 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 30-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

3 इसरो को पांच साल में 100 और मिशन पूरे करने का भरोसा

4 पंजाब में हुई घटना के लिए माफी मांगें केजरीवाल : मेघवाल

5 विराट कोहली के आने से बढ़ी चमक, जीत के साथ विदा लेने उतरेगी दिल्ली

फर्स्ट टेक

उडुपी में एक स्कूल में मधुमक्खियों के हमले में 40 से अधिक छात्र घायल

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के उडुपी जिले के एक स्कूल में मधुमक्खियों के हमले में 40 से अधिक छात्र घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार दोपहर ओलाकाडु स्थित एक स्कूल की है जब एक छात्र ने मैदान में खेलते समय मधुमक्खियों के छत्ते पर पत्थर फेंक दिया। उसने बताया कि इसके बाद मधुमक्खियों के झुंड ने विद्यार्थियों पर हमला कर दिया जिसमें 40 से अधिक विद्यार्थी घायल हो गए। उसने बताया कि उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि तीन विद्यार्थियों को बाद में उडुपी मदर एंड चाइल्ड अस्पताल में रेफर कर दिया। उसने बताया कि अधिकांश विद्यार्थियों को ओपीडी में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई लेकिन कुछ छात्रों की हालत गंभीर बनी हुई है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 29 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सात महिला समेत 29 नक्सलियों ने बुधवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कुतुल एरिया कमेटी के अंतर्गत कार्यरत सात महिला समेत 29 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में जनताना सरकार अध्यक्ष व नक्सलियों की दवाई शाखा का अध्यक्ष बुधराम वड़दा (39) भी शामिल है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े बेटे पर धोखाधड़ी का आरोप

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े बेटे पर भारतीय निवेश से कथित हेराफेरी के लिए यहां उच्च न्यायालय में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मामला वर्ष 2015 से पहले का है। नमल राजपक्षे (38) को जून 2016 में रग्बी खेल को विकसित करने के लिए कृष होटल परियोजना के पैसे से सात करोड़ श्रीलंकाई रुपयों के कथित दुरुपयोग के लिए गिरफ्तार किया गया था। नमल राजपक्षे श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके हैं। कोलंबो वाणिज्यिक जिले के मध्य में स्थित कृष होटल परियोजना को निरस्त कर दिया गया तथा अधूरा निर्माण कार्य अब भी जारी है। हाल ही में एक अन्य अदालत में राहगीरों के लिए खतरे के कारण इसकी असुरक्षित स्थिति पर सवाल उठाया गया था। अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार द्वारा 2016 से रुके हुए कृष मामले की दोबारा जांच करने के बाद हाल ही में पुलिस ने नमल राजपक्षे से पूछताछ की।

30-01-2025 सूर्यास्त 6:08 बजे | 31-01-2025 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
76,532.96 (+631.55)	23,163.10 (+205.85)

सोना	चांदी
8,245 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	102,000 रु. प्रति किलो

मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत, 60 श्रद्धालु घायल

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने भगदड़ को विपक्ष की 'साजिश' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज महाकुंभ के संगम क्षेत्र में मंगलवार देर रात पवित्र स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के पहुंचने से मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार भगदड़ में मरने वालों की संख्या को लेकर दिन भर चुप्पी साधे रही। हालांकि घटना के लगभग 16 घंटे बाद बुधवार देर शाम पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) वैभव कृष्ण ने मेला अधिकारी विजय किरण आनंद के साथ संयुक्त रूप से संवाददाताओं को संबोधित करते हुए बताया कि भगदड़ में कुल 90 लोग घायल हुए थे, जिनमें से 30 की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 25 मृतकों की पहचान हो गई है और बाकी की पहचान की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि मृतकों में कर्नाटक के चार, असम और गुजरात के रहने वाले एक-एक व्यक्ति भी शामिल हैं।

डीआईजी ने बताया कि कुछ लोग घायल हुए अपने परिवार के सदस्यों को लेकर चले गए। अधिकारी ने बताया कि इस समय 36 घायलों का इलाज स्थानीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में किया जा रहा है।

कृष्ण ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया गया है, जिस पर अगर कोई व्यक्ति लापता है तो उसके संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यायिक जांच के आदेश दिए

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में महाकुंभ मेले में स्नान के लिए मंगलवार देर रात मची भगदड़ के कारणों की जांच के लिए न्यायिक जांच का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। जांच आयोग की अध्यक्षता पूर्व न्यायमूर्ति हर्ष कुमार करेंगे और इसमें पूर्व पुलिस महानिदेशक वीके गुप्ता और सेवानिवृत्त आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) डीके सिंह भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि न्यायिक जांच के साथ-साथ पूरे मामले की अलग से पुलिस जांच भी की जाएगी। उन्होंने कहा, पूरे मामले की तह तक जाना जरूरी है कि ऐसी घटना कैसे हुई।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर 7.64 करोड़ लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ मेले में भगदड़ जैसी घटना के बाद ही पूरे दिन श्रद्धालुओं का हुजूम गंगा और संगम तट पर आता रहा। मेला प्रशासन के मुताबिक, बुधवार को मौनी अमावस्या के अवसर पर शाम आठ बजे तक 7.64 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, मौनी अमावस्या पर शाम आठ बजे तक 10 लाख से अधिक कल्पवासियों समेत कुल 7.64 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में स्नान किया। इस दौरान, हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई। मेला प्रशासन के मुताबिक, 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ मेले में अभी तक 19.94 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं।

भगदड़ के कारण

पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) वैभव कृष्ण ने भगदड़ के कारण के बारे में बताया, मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त से पहले देर रात एक से दो बजे के बीच मेला क्षेत्र में अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ का दबाव बना। उस दबाव के कारण दूसरी ओर के अवरोधक टूट गए और भीड़ के लोगों ने अवरोधक लांघ कर दूसरी तरफ ब्रह्म मुहूर्त के स्नान का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को अनजाने में कुचलना शुरू कर दिया। इसी वजह से यह घटना हुई।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर सभी 13 अखाड़ों ने अमृत स्नान किया

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ मेले में विभिन्न अखाड़ों का मौनी अमावस्या पर्व पर अमृत स्नान बुधवार शाम तक संपन्न हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मंगलवार देर रात संगम क्षेत्र के पास भगदड़ की घटना के कारण अखाड़ों का अमृत स्नान सुबह टल गया था और भीड़ नियंत्रित होने के बाद दोपहर में फिर से शुरू हुआ था।

मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि यह पहला मौका था जब साधु-संतों, नागा संन्यासी और अखाड़ों ने संगम में ऐतिहासिक प्रथम स्नान की प्रतिज्ञा तोड़ कर परिस्थिति को देखते हुए ब्रह्म मुहूर्त के अमृत स्नान को स्थगित कर श्रद्धालुओं को पहले स्नान का अवसर दिया। उन्होंने बताया कि परंपरा के मुताबिक, सन्यासी अखाड़ों ने सबसे पहले अमृत स्नान किया, जिसमें महानिर्वाणी, अटल, निरंजनी, आनंद, जूना, आवाहन और पंच अग्नि अखाड़ों के साधु संत शामिस हैं। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद बैरागी संप्रदाय के पंच निर्वाणी अनी अखाड़ा, पंच दिगंबर, पंच निर्मोही अनी अखाड़े के साधु संतों ने अमृत स्नान किया। उन्होंने बताया कि अगले क्रम में उदासीन संप्रदाय के नया उदासीन, बड़ा उदासीन और निर्मल अखाड़े के साधु संतों ने स्नान किया। अधिकारी ने बताया कि दोपहर में स्नान के दौरान हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की गई। एक संत ने बताया कि अखाड़ों के साधु संतों में अमृत स्नान को लेकर पहले जैसा उत्साह नहीं दिखा क्योंकि भगदड़ की घटना से सभी साधु संत व्यथित हैं। हालांकि अखाड़ों के महंत, श्रीमहंत और पीठाधीश्वर अपने पारंपरिक जुलूस, धर्मध्वजा और आराध्य देव की पालकी के साथ अमृत स्नान के लिए पहुंचे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बुधवार को सुबह कहा था कि महाकुंभ में भगदड़ को देखते हुए संतों ने मौनी अमावस्या का अमृत स्नान सुबह टाल दिया था।

नेविगेशन उपग्रह के प्रक्षेपण के साथ ही इसरो का 100वां मिशन सफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को अपने ऐतिहासिक 100वें मिशन के तहत एक उन्नत नेविगेशन उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। बुधवार तड़के किया गया यह प्रक्षेपण इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन के नेतृत्व में पहला मिशन है। उन्होंने 13 जनवरी को पदभार संभाला था। इसके अलावा यह 2025 में इसरो का पहला मिशन है।

इससे पहले, इसरो ने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया था। इस प्रयोग के तहत 30 दिसंबर, 2024 को प्रक्षेपण किया गया था जो अंतरिक्ष एजेंसी का 99वां मिशन था।

नारायणन ने कहा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि 2025 में इसरो का पहला प्रयास सफल रहा।

उन्होंने सफल प्रक्षेपण के बाद कहा कि उपग्रह को ''आवश्यक (जीटीओ) कक्षा में सटीकता से स्थापित किया गया। यह मिशन 100वां प्रक्षेपण है जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि है।''

दुर्घटनावश गोली चलने से भारतीय मछुआरे घायल हुएः श्रीलंका नौसेना प्रमुख

कोलंबो/भाषा। श्रीलंकाई नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को दावा किया कि डेल्फ़्ट द्वीप के निकट 13 भारतीय मछुआरों को पकड़े जाने के दौरान दुर्घटनावश गोली चल जाने से दो मछुआरे गंभीर रूप से घायल हो गए। श्रीलंका नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल कंचना बनगोडा ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, नौसेना के एक जवान से दुर्घटनावश गोली चल गई, जिससे दो भारतीय मछुआरे घायल हो गए। डेल्फ़्ट द्वीप के निकट मंगलवार सुबह श्रीलंकाई नौसेना द्वारा की गई गोलीबारी में पांच भारतीय मछुआरे घायल हो गए थे, जिनमें दो गंभीर रूप से घायल हुए और इस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

बीटिंग रिट्रीट

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह के दौरान मधुर संगीत और रायसीना हिल्स पर डूबते सूरज के मनमोहक दृश्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विजय चौक पर आयोजित यह भव्य कार्यक्रम गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य केंद्रीय मंत्री शामिल हुए।

संसदीय समिति ने संशोधित वक्फ विधेयक को स्वीकारा, विपक्ष ने असंवैधानिक बताया

रिपोर्ट आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पेश की जाएगी और शुक्रवार से शुरू होने वाले बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में इसे सदन के पटल पर रखा जाएगा।

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट को बहुमत से स्वीकार कर लिया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव समाहित हैं।

विपक्षी सदस्यों ने इसे असंवैधानिक करार दिया और आरोप लगाया कि यह कदम वक्फ बोर्डों को बर्बाद कर देगा।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षत वाली समिति की रिपोर्ट को 11 के मुकाबले 15 मतों से मंजूरी दे दी गई। विपक्षी सदस्यों ने असहमति के नोट दिए हैं।

भाजपा सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले साल अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का प्रयास करने वाला है, जबकि विपक्ष ने इसे मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक अधिकारों पर हमला और वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप करार दिया।

समिति की 38वीं बैठक के बाद, पाल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि रिपोर्ट बृहस्पतिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पेश की जाएगी और शुक्रवार से शुरू होने वाले बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में इसे सदन के पटल पर रखा जाएगा।

विपक्ष की एक प्रमुख चिंता वक्फ बोर्ड में गैर-मुसलमानों की नियुक्ति थी। उनका दावा था कि यह संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन है, जो नागरिकों को धार्मिक और परमार्थ उद्देश्यों के लिए संस्थानों की स्थापना और रखरखाव सहित अपने धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने की स्वतंत्रता देता है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, आपने संविधान के अनुच्छेद 26 के तहत दिए गए हमारे अधिकारों का उल्लंघन किया है।

2047 तक 1,800 गीगावाट हरित बिजली उत्पादन क्षमता पर भारत की नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को कहा कि भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के तहत 1,800 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का दीर्घकालिक लक्ष्य हासिल करने पर विचार कर रहा है।

जोशी ने यहां भारत ऊर्जा संक्रमण शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, कुल मिलाकर, चीजें बहुत तेज हैं। अब हम 2030 (जब 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल की जाएगी) के बारे में नहीं सोच रहे हैं, हम 2047 के बारे में सोच रहे हैं।

जोशी के पास 'नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय' का प्रभार है। उन्होंने कहा कि 2030 के लिए जो भी योजना बनाई गई है, उसे पूरा किया जाएगा लेकिन हम 2047 (1,800 गीगावाट का लक्ष्य) के बारे में भी सोच रहे हैं।

मंत्री ने कहा, हमारे पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2047 के लिए एक दीर्घकालिक दृष्टि और खाका है... हम निश्चित रूप से 2030 तक 500 गीगावाट क्षमता हासिल कर लेंगे, यह पक्का है। हम 2047 तक 1,800 गीगावाट की क्षमता स्थापित करने के लिए भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2030 तक 500 गीगावाट एक अल्पकालिक योजना है और सरकार 2047 के लिए दीर्घकालिक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जोशी ने कहा, हम देश में लगभग 100 गीगावाट सौर क्षमता तक पहुंच गए हैं। आने वाले वर्षों में, हमें सालाना लगभग 50 गीगावाट नई क्षमता जोड़ने की उम्मीद है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अंतिम स्नान

भगदड़ मच गई महाकुंभ में,
मच गई खींचमतान।
पुख्ता थे सारे प्रबंध फिर,
कैसे लुटा जहान।
किसको अपराधी ठहराएं,
देगा कौन बयान।
अमृत की इच्छा वालों के
हो गए अंतिम स्नान।।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के हैल्पिंग हैंड्स जैन यूथ ऑर्गनाइजेशन महिला विंग की ओर से श्रीरामपुरा स्थित नवचेतना बसवेश्वरा ट्रस्ट में संरक्षित विधार्थियों को पाठ्य सामग्री, रोजमर्रा की वस्तुएँ तथा खाद्य राशन किट वितरित किए गए। इस मौके पर महिला विंग की सदस्य सीमा बोहरा, इंदिरा खाबिया, बिंदु बाघमार, सोनल चौपड़ा, आशा बाघमार, कविता लूणावत, आशा बोहरा आदि उपस्थित रही ।

विजयनगर में तप, त्याग व गुणानुवाद से मनाया गया श्री गणेशीलाल का स्मृति दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक में साध्वीश्री सुधाकंवरजी के सान्निध्य में मौनी अमावस्या पर कर्नाटक गजकेसरी खद्दरधारी गुरुदेव श्री गणेशीलाल जी म.सा की 6वीं पुण्य स्मृतिदिवस तप त्याग से मनाया गया। साध्वीश्री सुयशाजी ने जाप करवाया तथा साध्वीश्री विजयप्रभाजी ने गुरु गुण गान करते हुए गुरुदेव के जीवन से सम्बंधित दृष्टांत सुनाए। साध्वीश्री सुधाकंवरजी ने गुरु के आदर्शों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देते हुए सभी के लिए मंगल कामनाएँ की। इस मौके पर अन्न प्रसादम वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जो कि घीसूलाल विजयकुमार बोहरा परिवार के सौजन्य से था। संघ ने बोहरा परिवार का सम्मान किया।

इस अवसर पर ज्ञान शाला की 12 अध्यापिकाओं का वार्षिक प्रोत्साहन पुरस्कार ट्रस्ट के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर, उपाध्यक्ष गौतमचंद दक, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद खाब्या, पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्रकुमार कोठारी व मंत्री कन्हैया लाल सुराणा ने प्रदान किया। साध्वीश्री ने मंत्री कन्हैयालाल सुराणा को श्री ऑल इंडिया स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस नई दिल्ली के राष्ट्रीय मंत्री पद पर मनोनीत किए जाने हेतु खूब आशीर्वाद दिया।

दया धर्म ही हमारा धर्म होना चाहिए : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित महासाध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी ने अपने प्रवचन मे कहा कि मनुष्य के जीवन में तीन का बड़ा महत्व होता है वो है देव गुरु और धर्म। हमारे देव हैं अरिहंत और सिद्ध। अरिहंत जिन्होंने चार घन घाती कर्मों को नष्ट कर केवलज्ञान केवलदर्शन प्राप्त कर लिया है तथा उन्होंने साधु साध्वी श्रावक श्राविका रूप तीर्थ की स्थापना की है। अरिहंत भगवान केवलज्ञान केवलदर्शन द्वारा जगत के समस्त प्राणियों को दुख को जानकर उन्हें सुखी बनाने का मार्ग बताते हैं। दूसरे देव हैं सिद्ध। सिद्ध जिन्होंने आठों कर्मों को क्षय कर संसार सागर को पार करके मोक्ष गति में स्थित हो गए हैं। पांच महाव्रत, पांच समिति तीन गुप्ती का पालन करने वाले, छह काय के जीवों के प्रतिपालक निर्ग्रंथ मुनिराज हमारे गुरु हैं तथा केवल ज्ञानियों द्वारा क़हा है कि दया धर्म हमारा धर्म है।

हम देव गुरु और धर्म की आराधना करके अपना जीवन उन्नत बना सकते हैं। अक्कीपेट स्थानक के प्रांगण में अगले एक-दो दिन में साध्वी मल्लीश्रीजी एवं साध्वी आस्थाश्रीजी तथा गुरुदेव श्री नरेशमुनिजी के पधारने की संभावना है। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

केंद्रीय बजट के दिन खुला रहेगा एमसीएक्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जिंस बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) एक फरवरी को बजट के दिन खुला रहेगा। जिंस बाजार में एक विशेष कारोबारी सत्र आयोजित किया जाएगा। एमसीएक्स ने बुधवार को एक बयान में कहा कि एक्सचेंज सुबह नौ बजे से शाम 5 बजे तक सामान्य व्यापार के लिए खुला रहेगा। बयान के अनुसार केंद्रीय बजट पेश किए जाने के कारण प्रतिभागियों के लिए कारोबारी मंच उपलब्ध कराने के लिए एक फरवरी (शनिवार) को एमसीएक्स खुला रहेगा। इसका मकसद प्रतिभागियों को वास्तविक समय पर जोखिम प्रबंधन और 'हेजिंग' जरूरतों को पूरा करना है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने इसरो को 100वें सफल प्रक्षेपण पर बधाई दी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को इसरो टीम को उसके सफल 100 वें मिशन पर बधाई दी। ताजा अभियान में इसरो ने बुधवार को अपने ऐतिहासिक 100वें मिशन के तहत एक उन्नत नेविगेशन उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया।

'एक्स' पर एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि को देश के लिए गौरव का क्षण बताया और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए इसरो के टीम की प्रतिबद्धता की सराहना की। बयान में कहा गया है, यह इसरो का 100वां प्रक्षेपण है और 'नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन' (नाविक) के साथ नेविगेशन को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे स्वदेशी प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति बताया तथा भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वृद्धि और सफलता पर प्रकाश डाला। यह नेविगेशन उपग्रह एनवीएस-02 'नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन' (नाविक) शृंखला का दूसरा उपग्रह है, जिसका उद्देश्य भारतीय उपमहाद्वीप के साथ-साथ भारतीय भूभाग से लगभग 1,500 किलोमीटर आगे के क्षेत्रों में उपयोगकर्ताओं को सटीक स्थिति, गति और समय की जानकारी प्रदान करना है।

ओला 'जनरेशन 3' प्लेटफॉर्म पर आधारित स्कूटर इस सप्ताह लेकर आएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओला के संस्थापक भविष अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि 'जनरेशन 3' प्लेटफॉर्म पर आधारित नए इलेक्ट्रिक स्कूटर का इस सप्ताह के अंत में अनावरण किया जाएगा।

अग्रवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ओला इलेक्ट्रिक 'जनरेशन 3' स्कूटरों के साथ नए मुकाम पर जा रहा है। हमने बहुत अच्छे प्रदर्शन, अधिक सुविधाएं, बेहतरीन डिजाइन के साथ 'जनरेशन 2' उत्पादों को हर तरह से पीछे छोड़ दिया है। उद्योग को फिर से बदलने के लिए एक अचंभा होगा।....'' ओला की दोपहिया इकाई ओला इलेक्ट्रिक 31 जनवरी को अपनी नई उत्पाद शृंखला का अनावरण करेगी। ओला इलेक्ट्रिक को उम्मीद है कि 'जनरेशन 3' प्लेटफॉर्म वाले इलेक्ट्रिक वाहनों से उसके मार्जिन में 20% की बचत होगी। अग्रवाल ने दूसरी तिमाही के परिणामों पर विश्लेषकों के साथ चर्चा में कहा कि 'जनरेशन 3' की सभी प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से कुछ बचत जनवरी में होगी तथा उसके बाद हर तिमाही में और अधिक बचत होगी।

उन्होंने कहा, सकल मार्जिन के संदर्भ में हमें अगले 12 महीनों में 'जनरेशन 3' प्लेटफॉर्म चरणबद्ध ढंग से अपनाने से करीब 20 अंकों के सुधार की उम्मीद है।

राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन को सरकार ने मंजूरी दी : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बुधवार को 16,300 करोड़ रुपए के 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन' (एनसीएमएम) को स्वीकृति दी। इस मिशन को अगले सात वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से 18,000 करोड़ रुपए का निवेश भी मिलने की संभावना है। देश के भीतर और अपतटीय स्थानों पर महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को बढ़ावा देने पर यह निवेश किया जाएगा।

तांबा, लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी खनिज जैसे महत्वपूर्ण खनिज तेजी से बढ़ती हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। पवन टर्बाइन और बिजली नेटवर्क से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी निर्माण तक में इनका इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह मिशन शुरू करने का फैसला किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को इस फैसले की जानकारी दी। वैष्णव ने कहा कि एनसीएमएम का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर देश की निर्भरता को कम करना और इस मामले में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, इस मिशन के तहत 24 महत्वपूर्ण खनिजों को चिह्नित किया गया है। इसके लिए 16,300 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण, खनन, प्रसंस्करण और उत्पादन बंद हो चुके उत्पादों से इन खनिजों की वसूली जैसे मूल्य शृंखला से जुड़े सभी चरण शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत महत्वपूर्ण खनिजों के प्रोत्साहन के लिए एक व्यापक योजना तैयार की गई है। सरकार को उम्मीद है कि यह मिशन देश के भीतर और इसके अपतटीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को तेज करेगा।

इस बीच खान मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की तरफ से इस मिशन के लिए आवंटित 16,300 करोड़ रुपए के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के भी इसमें अगले सात वर्षों में 18,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की संभावना है। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों की खनन परियोजनाओं के लिए नियामकीय मंजूरी की प्रक्रिया को त्वरित बनाना है। इसके अलावा मिशन महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देगा और इन संसाधनों को 'ओवरबर्डन' और 'टेलिंग्स' से दोबारा निकालने की गतिविधि को बढ़ावा देगा।

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से घरेलू कामगारों के अधिकारों की रक्षा के लिए समिति गठित करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र को निर्देश दिया कि घरेलू कामगारों के शोषण और उनके अधिकारों की सुरक्षा को लेकर ''कानूनी संरक्षण'' नहीं होने के मद्देनजर उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार किया जाये। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई प्रभावी विधायी या कार्यकारी उपाय नहीं दिख रहा है जिससे कानून बनाया जा सके और देशभर में लाखों असहाय घरेलू कामगारों को राहत मिल सके।

अदालत ने कहा, इस उत्पीड़न और बड़े पैमाने पर दुर्व्यवहार का साधारण कारण घरेलू कामगारों के अधिकारों और संरक्षण को लेकर कानूनी शून्यता है। इसने कहा कि दरअसल, भारत में घरेलू कामगारों को बड़े पैमाने पर सुरक्षा नहीं मिलती और उन्हें कोई व्यापक कानूनी मान्यता नहीं मिलती। अदालत ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप उन्हें अक्सर कम वेतन, असुरक्षित माहौल और लंबे समय तक काम करना पड़ता है। अदालत ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के साथ-साथ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा विधि एवं न्याय मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे घरेलू कामगारों के अधिकारों के संरक्षण के वास्ते कानूनी ढांचे के लिए क्षेत्रीय विशेषज्ञों की एक समिति का संयुक्त रूप से गठन करें। पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ समिति का गठन केंद्र और उसके संबंधित मंत्रालयों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। इसने कहा, यह सराहनीय कदम होगा यदि समिति छह महीने की अवधि के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करे और इसके बाद भारत सरकार एक कानूनी ढांचा प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर विचार कर सकती है जो घरेलू कामगारों के हितों और चिंताओं को प्रभावी ढंग से उठा सके।

देश में डिजिटल भुगतान बीते साल सितंबर अंत तक 11.1 प्रतिशत बढ़ा : आरबीआई आंकड़ा

मुंबई/भाषा। देशभर में डिजिटल भुगतान में पिछले साल सितंबर के अंत तक सालाना आधार पर 11.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ऑनलाइन लेनदेन की स्वीकार्यता मापने वाले आरबीआई के सूचकांक में यह जानकारी दी गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सितंबर, 2024 के लिए आरबीआई का डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) 465.33 है, जबकि मार्च, 2024 के लिए यह 445.5 था।

आरबीआई ने कहा, आरबीआई-डीपीआई सूचकांक में वृद्धि, इस अवधि में देशभर में भुगतान अवसंरचना और भुगतान प्रदर्शन में वृद्धि के कारण हुई।

केंद्रीय बैंक ने मार्च, 2018 में देश भर में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को मापने के लिए आधार के रूप में एक समग्र आरबीआई-डीपीआई के निर्माण की घोषणा की थी। सूचकांक में पांच व्यापक पैरामीटर शामिल हैं जो विभिन्न अवधियों में देश में डिजिटल भुगतान की गहनता और पहुंच को मापने में सक्षम बनाते हैं।

ये पैरामीटर - भुगतान सक्षमकर्ता (भार 25 प्रतिशत), भुगतान अवसंरचना - मांग पक्ष कारक (10 प्रतिशत), भुगतान अवसंरचना - आपूर्ति पक्ष कारक (15 प्रतिशत), भुगतान प्रदर्शन (45 प्रतिशत) और उपभोक्ता पर ध्यान (पांच प्रतिशत) हैं।

यह सूचकांक मार्च, 2021 से चार महीने के अंतराल के साथ छमाही आधार पर प्रकाशित किया जाता है।

मोदी और केजरीवाल एक ही सिक्के के दो पहलू, झूठों के सरदार हैं : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि दोनों ''एक ही सिक्के के दो पहलू' और ''झूठों के सरदार'' हैं।

खरगे ने यहां बुराड़ी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) ने मिलकर कांग्रेस को सत्ता से हटाया, लेकिन दिल्ली तथा देश के लोगों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने आप पर कटाक्ष करते हुए कहा, ये बातें ऐसी करते हैं कि मानो सीधे स्वर्ग से उतरे हों। कांग्रेस अध्यक्ष ने कथित शराब घोटाले का हवाला देते हुए कहा, अगर सब ठीक है तो (केजरीवाल) जेल क्यों गए, आबकारी घोटाले में क्यों पकड़े गए? आप दोनों (मोदी और केजरीवाल) हरिश्चंद्र के बेटों ने मिलकर हमें (सत्ता से) निकाला, लेकिन इसके बाद कुछ नहीं किया।

खरगे ने कहा, भाजपा के लोग तो कहते हैं कि आजादी 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मिली। 15 अगस्त, 1947 को देश को आजादी मिली, वो इसे नहीं मानते। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के एक हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा, दिल्ली और कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक के लोगों ने आजादी के लिए कुर्बानी दी....उस समय महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और कई अन्य नेताओं के नेतृत्व में आजादी मिली। भाजपा और आप की वजह से आजादी नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और केजरीवाल ने मिलकर अन्ना हजारे का आंदोलन संचालित किया।

मंत्री नितेश राणे ने बोर्ड परीक्षाओं के दौरान बुर्का पहनने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा के नेता नितेश राणे ने राज्य में अगले महीने होने वाली 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान बुर्का पहनने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। राणे ने स्कूल शिक्षा मंत्री दादा भुसे को लिखे पत्र में कहा कि छात्राओं को परीक्षा हॉल में बुर्का पहनने की अनुमति देने से गड़बड़ी हो सकती है और इससे सुरक्षा संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाली छात्राओं को बुर्का पहनने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। यदि आवश्यक हो तो जांच के लिए महिला पुलिस अधिकारी या महिला कर्मचारियों को नियुक्त किया जाना चाहिए। ये परीक्षाएं छात्रों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं और इन्हें पारदर्शी तरीके से आयोजित किया जाना चाहिए, जिसमें कोई गड़बड़ी न हो।

सुप्रीया सुले ने महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र लाने की मांग की

मुंबई/भाषा। राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने नीति आयोग की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बुधवार को राजकोषीय मोर्चे पर महाराष्ट्र का प्रदर्शन खराब रहने का आरोप लगाया और राज्य की अर्थव्यवस्था पर एक श्वेत पत्र लाने की मांग की। सुले ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट महाराष्ट्र में वित्तीय कुप्रबंधन को दर्शाती है और इसमें सामाजिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों को लेकर चिंता जताई गई है।

सुले ने कहा, सरकार को राज्य की अर्थव्यवस्था पर एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। यह रिपोर्ट स्पष्ट कुप्रबंधन दिखाती है और सामाजिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों के बारे में चिंता बढ़ाती है। सुले ने कहा कि महाराष्ट्र में राजस्व संग्रह उच्च स्तर और जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर होने के बावजूद इसकी राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक रैंकिंग गिरकर छठे स्थान पर आ गई है। वर्ष 2022 में महाराष्ट्र चौथे स्थान पर था। राकांपा एसपी की नेता ने दावा किया कि नीति रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र ने कारोबारी सुगमता के मोर्चे पर भी खराब प्रदर्शन किया है। सुले ने समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के लिए राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल के विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भाग लेने के लिए दावोस जाने के औचित्य को भी लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि महाराष्ट्र में कंपनियों से निवेश आ रहा है। लेकिन क्या इसके लिए दावोस जाने की जरूरत है? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई में दावोस गए एक प्रतिनिधिमंडल ने पिछले हफ्ते विभिन्न कंपनियों से कुल 15.70 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव जुटाए।

हिमाचलः बिना दुल्हन लौटी बारात, गांव में नहीं थी कोई शादी

ऊना (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। नारी गांव से आई बारात सिंगा गांव से बिना दुल्हन लिए लौट गई क्यूंकि वहां कोई शादी नहीं होने वाली थी। मंगलवार को नारी गांव से आई बारात जब सिंगा पहुंची तो वहां के लोग हैरान रह गए, क्योंकि गांव में किसी भी लड़की की शादी नहीं थी। जब बारात पक्ष ने लड़की की तस्वीर दिखाई, तो गांव वालों ने बताया कि ऐसी कोई लड़की उनके गांव में नहीं रहती। सिंगा गांव के सरपंच गुरदेव सिंह ज्ञानी ने कहा कि गांव में ऐसी कोई लड़की या परिवार नहीं है। उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

मनु और राजीव ने यह शादी कथित तौर पर तय कराई थी। ये दोनों दूल्हे के पड़ोसी हैं और उन्होंने शादी तय कराने के लिए दूल्हे से 50,000 रुपए लिए थे। दूल्हे और दुल्हन की मुलाकात भी कभी नहीं हुई थी, वे सिर्फ एक हफ्ते से फोन पर बात कर रहे थे। स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस वहां पहुंची और जब शादी तय कराने वाले लोगों से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि दुल्हन ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया है और उसे पंजाब में नवांशहर के एक अस्पताल ले जाया जा रहा है। वर पक्ष ने महिला मनु को पकड़ लिया और उसे वापस सिंगा गांव लेकर आए। स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंच गए।

दलित, अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्गों और आरक्षण के खिलाफ हैं केजरीवालः राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा प्रहार जारी रखते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और आरक्षण के खिलाफ हैं। उन्होंने दिल्ली के बवाना में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केजरीवाल और उनके लोगों ने मिलकर दिल्ली में सबसे बड़ा शराब घोटाला किया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया, पूरा देश जानता है कि आपने (केजरीवाल) भ्रष्टाचार किया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल झूठे वादे करते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस झूठे वादे नहीं करती। हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। राहुल गांधी ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नफरत फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, जहां भी नफरत फैलाई जाएगी वहां राहुल गांधी खड़ा होगा और मोहब्बत की बात करेगा। कांग्रेस नेता का कहना था कि 'नरेन्द्र मोदी के नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। उन्होंने कहा, पांच साल पहले केजरीवाल जी ने कहा था कि यमुना जी में स्नान करूंगा और पानी पीयूंगा। आज तक केजरीवाल जी ने यमुना का पानी नहीं पीया। आप लोगों को गंदा पानी पीना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने केजरीवाल को चुनौती दी कि वह यमुना का पानी पीकर दिखाएं। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि केजरीवाल जी यमुना का पानी नहीं पीएंगे क्योंकि वह अस्पताल चले जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार आने पर जाति जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने कहा, केजरीवाल जी पूछना चाहता हूं कि आप आरक्षण को 50 प्रतिशत से ज्यादा करना चाहते हो या नहीं? मैं जानता हूं कि मोदी जी और केजरीवाल जी दोनों आरक्षण, दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़े (वर्गों) के खिलाफ हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि 'जब भाजपा के लोगों ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की तो केजरीवाल कहीं नजर नहीं आए। उन्होंने कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी नरेन्द्र मोदी से नहीं डरते हैं। नरेन्द्र मोदी हमसे डरते हैं।

इसरो को पांच साल में 100 और मिशन पूरे करने का भरोसा : इसरो अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को अपने 100 मिशन पूरे करने का लक्ष्य हासिल करने में भले ही 46 वर्ष लग गए हों, लेकिन देश की अंतरिक्ष एजेंसी को अब अगले पांच साल में ही अपना अगला शतक पूरा कर लेने का भरोसा है।

इसरो ने बुधवार को अपने ऐतिहासिक 100वें मिशन के तहत एक उन्नत नेविगेशन उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। बुधवार तड़के किया गया यह प्रक्षेपण इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन के नेतृत्व में पहला मिशन है। उन्होंने 13 जनवरी को पदभार संभाला था। इसके अलावा यह 2025 में इसरो का पहला मिशन है। नारायणन ने विश्वास व्यक्त किया कि अंतरिक्ष एजेंसी अगले पांच साल में 200 मिशन का आंकड़ा पार कर सकती है। यह पूछे जाने पर कि क्या अगले पांच वर्ष में 100 और प्रक्षेपण करना संभव है, नारायणन ने 'हां' में उत्तर दिया। उन्होंने विस्तार से बताए बिना कहा, ''आप सही सवाल पूछ रहे हैं। यह संभव है।'' इसरो ने इतिहास रचते हुए रॉकेट के पुर्जों को साइकिल और बैलगाड़ी पर ले जाने के युग से लेकर विश्व की प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियों में से एक बनने तक की यात्रा तय की है। अब इसरो विदेशी विक्रेताओं के लिए वाणिज्यिक प्रक्षेपण भी कर रहा है। इसरो उन एजेंसी की विशिष्ट लीग का हिस्सा है जिनके चंद्र और सूर्य मिशन सफल रहे हैं। इसरो ने अब तक प्रक्षेपण यानों की छह पीढ़ियां विकसित की हैं, जिनमें से पहली पीढ़ी ने 1979 में प्रोफेसर सतीश धवन के मार्गदर्शन में आकार लिया और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम परियोजना निदेशक थे। यह एसएलवी-3 ई1/रोहिणी प्रौद्योगिकी पेलोड था। नारायणन ने कहा कि 46 साल बाद इसरो ने 100वें मिशन का लक्ष्य हासिल करने की यात्रा के दौरान 548 उपग्रहों को कक्षाओं में पहुंचाया। उन्होंने 100वें मिशन की सफलता के बाद पत्रकारों से भविष्य के मिशन पर भी बात की। इसरो के अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के साथ संयुक्त प्रयास- निसार (एनआईएसएआर) मिशन के तहत कुछ महीनों में प्रक्षेपण करने की संभावना है। इस समय अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं में एनजीएलवी भी शामिल है। अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने कहा कि नासा-इसरो संयुक्त सहयोग से 'सिंथेटिक अपर्चर रडार उपग्रह मिशन' (निसार) को अगले कुछ महीनों में प्रक्षेपित किये जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''यह नासा और इसरो का संयुक्त सहयोगात्मक अभियान है। इसमें दो रडार हैं - एल बैंड रडार (इसरो द्वारा विकसित) और एस बैंड रडार, जिसे नासा की जेट प्रणोदन प्रयोगशाला ने विकसित किया है। संपूर्ण प्रणाली को यू आर राव उपग्रह केंद्र (बेंगलुरू में) में एकीकृत किया गया और इसकी जांच की गई। इसे यू आर राव उपग्रह केंद्र से श्रीहरिकोटा ले जाने की तैयारी कर ली गई है।'' यह पूछे जाने पर कि भारत को अपना स्वयं का उपग्रह समूह बनाने के लिए कितने और नेविगेशन उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा, ''फिलहाल, चार उपग्रह हैं। (जीएसएलवी-एफ15 के माध्यम से) आज के प्रक्षेपण के जरिए पांचवां उपग्रह भेजा गया। हमें तीन और उपग्रहों के लिए मंजूरी मिल गई है। हम 5 से 6 महीने में एक उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहे हैं।'' तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम से प्रस्तावित रॉकेट प्रक्षेपण के बारे में अध्यक्ष ने कहा, अभी हम सुविधाओं का निर्माण कर रहे हैं और निर्माण कार्य पूरा होने के दो साल के भीतर वहां नियमित रूप से प्रक्षेपण किए जाएंगे।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में 29 जनवरी को मुख्य सचिवालय में भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची से मुलाकात करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

दक्षिण रेलवे की डीआरयूसीसी की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल ने 29 जनवरी को मंडल रेल प्रबंधक बी. विश्वनाथ ईर्या की अध्यक्षता में अपनी 159वीं मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक आयोजित की। बैठक में अंकुर चौहान, तेज प्रताप सिंह, अतिरिक्त बैठक में चेन्नई मंडल के वरिष्ठ शाखा अधिकारियों सहित मंडल रेल प्रबंधकों ने भाग लिया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक और डीआरयूसीसी के सचिव एम. भरत कुमार ने सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। बैठक में विभिन्न चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, पंजीकृत यात्री संघों, उपभोक्ता स्वैच्छिक संगठन, तमिलनाडु फेडरेशन के 12 डीआरयूसीसी सदस्यों, नाडु दिव्यांगजन, तथा दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक और संसद सदस्यों के मनोनीत सदस्यों ने भाग लिया। मंडल रेल प्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय भाषण में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 200 करोड़ रुपये की लागत से 17 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास सहित पूरे वर्ष में यात्री सुविधाओं में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला। कार्यों की प्रगति पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन भी दिया गया एबीएसएस स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। रेल अवसंरचना के विकास, यात्री सुविधाओं में सुधार जैसे बैटरी कारों का संचालन, लिफ्टों/एस्कलेटरों का प्रावधान, पार्किंग की सुविधा, स्टेशनों/ट्रेनों में साफ-सफाई, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं तथा एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के प्रावधान पर सदस्यों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए। मंडल रेल प्रबंधक ने यात्री सुरक्षा में सुधार और यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए मंडल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और डीआरयूसीसी सदस्यों को उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए धन्यवाद दिया। चेन्नई डिवीजन के वरिष्ठ डिवीजनल परिचालन प्रबंधक सत्य नारायण हरि ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

पार्सल कार्गो एक्सप्रेस को हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई के रायपुरम् में 29 जनवरी को दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विश्वनाथ ईर्या रायपुरम् से पटेल नगर रेलवे स्टेशन के बीच पार्सल कार्गो एक्सप्रेस ट्रेन (पीसीईटी) ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने 29 जनवरी को रॉयपुरम रेलवे स्टेशन पर रॉयपुरम और पटेल नगर रेलवे स्टेशन के बीच पार्सल कार्गो एक्सप्रेस ट्रेन (पीसीईटी) का उद्घाटन किया। चेन्नई डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर विश्वनाथ ईर्या ने पीसीईटी की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

यह समर्पित कार्गो ट्रेन रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स और व्यापार सुविधा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे पार्सल कार्गो के लिए परिवहन का एक तेज़ और अधिक विश्वसनीय तरीका उपलब्ध होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एम. भरत कुमार, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक सत्य नारायण हरि तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका के साथ एलओसी पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक समारोह के दौरान ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी, कोरवेलिस, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) के साथ एक सहयोग पत्र (एलओसी) पर हस्ताक्षर किए। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार (प्रभारी) प्रो. रजनीश भूटानी और ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी से एलओसी समन्वयक प्रो. सुसान एम. शॉ ने प्रो. के. थारानिक्करासु, कुलपति (प्रभारी); प्रो. एस. विक्टर आनंदकुमार, डीन - अंतर्राष्ट्रीय संबंध; डॉ. कमलावेनी, समन्वयक - एलओसी; और डॉ. आशिता, महिला अध्ययन केंद्र की प्रमुख की उपस्थिति में एलओसी का आदान-प्रदान किया। इस साझेदारी का उद्देश्य दोनों विश्वविद्यालयों के बीच छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी को अपनी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है और यह अमेरिका के शीर्ष संस्थानों में शुमार है। पांडिचेरी विश्वविद्यालय को ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ साझेदारी करने का सम्मान मिला है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संबंध मजबूत होंगे और सीमा पार सीखने और शोध के अवसर बढ़ेंगे। कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रो. के. थारानिकरसु ने उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने में वैश्विक भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सहयोग छात्रों को उन्नत शैक्षणिक प्रथाओं और विविध सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराएगा, जिससे वे वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार होंगे। प्रो. एस. विक्टर आनंदकुमार ने एलओसी के पारस्परिक लाभों पर प्रकाश डाला, जिसमें नवीन शैक्षणिक विधियों और अग्रणी शोध सहयोगों से परिचित होना शामिल है। प्रो. सुसान एम. शॉ ने अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक अवसरों का लाभ उठाने वाले भारतीय छात्रों के उत्साह और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की। उन्होंने यूएसए में पढ़ने वाले छात्रों के लिए सांस्कृतिक तैयारी के महत्व पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी छात्रों को आसानी से एकीकृत करने में मदद करने के लिए एक सहायक बडी सिस्टम प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, यह साझेदारी केवल एक अकादमिक आदान-प्रदान नहीं है; यह परिवर्तन की यात्रा है, छात्रों के भविष्य को आकार देना और गहरी अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना है। डॉ. कमलावेनी, समन्वयक - एलओसी ने सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए सहयोग की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से शुरू होंगे, जिसमें पांडिचेरी विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए यात्रा और रहने के खर्च को कवर करने के लिए छात्रवृत्ति के माध्यम से वित्त पोषण की संभावनाएं हैं।

भेंट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विल्लुपुरम में आयोजित एक सरकारी समारोह में दिव्यांग व्यक्तियों को लिंकेज पहियों के साथ पेट्रोल स्कूटर भेंट करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। इस कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री डॉ. पोनमुडी, विल्लुपुरम जिला सरकार के अध्यक्ष डॉ. सी. पलानी, ई.ए.पी. उपस्थित थे।

चेन्नई पर एयर कस्टम्स द्वारा 23.5 करोड़ का 23.48 किलो गांजा जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एयर इंटेलिजेंस अधिकारियों ने विशेष खुफिया सूचना के आधार पर तीन भारतीय यात्रियों (एक ही परिवार के दो पुरुष और एक महिला) को रोका, जो 26 जनवरी को बैंकॉक से चेन्नई पहुंचे थे। उनके चेक-इन बैगेज की तलाशी लेने पर, जमे हुए फलों की पैकेजिंग में छिपाकर रखा गया 23.48 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा मिला। जिसकी अवैध बाजार में कीमत 23.5 करोड़ रुपये है।

यात्रियों को एनडीपीएस अधिनियम के तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आगे की जांच जारी है।

इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 35% बढ़कर 2,852 करोड़ रुपए पर

इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 35 प्रतिशत बढ़कर 2,852 करोड़ रुपये पर

चेन्नई/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 35 प्रतिशत बढ़कर 2,852 करोड़ रुपये हो गया। इंडियन बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 2,119 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। इंडियन बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी चालू वित्त वर्ष की इस तिमाही में कुल आय बढ़कर 17,912 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 16,099 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान ब्याज आय भी बढ़कर 15,759 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 14,198 करोड़ रुपये थी।

बैंक की चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 10 प्रतिशत बढ़कर 16,415 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 15,815 करोड़ रुपये थी। बैंक का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में परिचालन लाभ बढ़कर 4,749 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,097 करोड़ रुपये था। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) घटकर 3.26 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.47 प्रतिशत था। इसी प्रकार, शुद्ध एनपीए यानी फंसा कर्ज घटकर 0.21 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 0.53 प्रतिशत था।

अर्थुन्कल में नए बंदरगाह के निर्माण के लिए 103 करोड़ रुपए मंजूर

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने राज्य के अलप्पुझा जिले के अर्थुन्कल में मछली पकड़ने के वास्ते एक नये बंदरगाह के निर्माण के लिए 103.32 करोड़ रुपये की बुधवार को मंजूरी दी है। केरल के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने एक बयान में कहा कि इस राशि में से 58.55 करोड़ रुपये केवल 'ब्रेकवाटर' के निर्माण के लिए आवंटित किए गए हैं। 'ब्रेकवाटर' का अर्थ है कि समुद्र में लहरों के बल से तट या बंदरगाह की सुरक्षा के लिए एक दीवार बनाना है। इस परियोजना में एक नया घाट, एक कैंटीन, एक लॉकर रूम, शौचालय परिसर, जलापूर्ति सुविधाएं, महत्वपूर्ण सड़कें, एक पार्किंग क्षेत्र, 100 टन का एक बर्फ संयंत्र, एक हरित पट्टी और एक बोरवेल बनाया जाएगा। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की सहायता से शुरू की गई यह परियोजना मार्च 2027 तक पूरी हो जाएगी।

सहायता — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधान कार्यालय में हिंदू धार्मिक दान विभाग की ओर से 1,250 ग्रामीण मंदिरों और 1,250 आदि द्रविड़ और आदिवासी मंदिरों में नवीकरण कार्य करने के लिए वित्तीय सहायता बढ़ा दी। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए चयनित 12 मंदिरों के व्यवस्थापकों और पुजारियों को कुल 62.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि के रूप में 2.50 लाख रुपये दिए और जीर्णोद्धार कार्य के लिए ड्राफ्ट सौंपे। इस कार्यक्रम में हिंदू धार्मिक धर्मार्थ मंत्री श्री पी.के. सेकरबाबू, मुख्य सचिव थिरु ना.मुरुकानंदम आदि उपस्थित थे।

दुर्घटनावश गोली चलने से भारतीय मछुआरे घायल हुए: श्रीलंका नौसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को दावा किया कि डेल्फ़्ट द्वीप के निकट 13 भारतीय मछुआरों को पकड़े जाने के दौरान दुर्घटनावश गोली चल जाने से दो मछुआरे गंभीर रूप से घायल हो गए। श्रीलंका नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल कंचना बनगोडा ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, नौसेना के एक जवान से दुर्घटनावश गोली चल गई, जिससे दो भारतीय मछुआरे घायल हो गए।

डेल्फ़्ट द्वीप के निकट मंगलवार सुबह श्रीलंकाई नौसेना द्वारा की गई गोलीबारी में पांच भारतीय मछुआरे घायल हो गए थे, जिनमें दो गंभीर रूप से घायल हुए और इस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

वाइस एडमिरल बनगोडा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि नौसेना के जवानों ने संदेह के आधार पर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मौजूद मछली पकड़ने वाली एक भारतीय नौका को जब्त किया था क्योंकि जब उसे क्षेत्र से जाने के लिए कहा गया तो उसने इस निर्देश का पालन नहीं किया। बनगोडा ने कहा, जब नौसेना के जवान अपनी नाव पर बैठे तो भारतीयों ने जांच प्रक्रिया में बाधा डालने के लिए आक्रामक व्यवहार किया। उन्होंने बताया कि भारतीय मछुआरे श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे तथा क्षेत्र से दूर चले जाने की चेतावनी पर भी कोई ध्यान नहीं दे रहे थे।

बनगोडा ने बताया कि मछुआरों द्वारा नौसेना के जवानों को उनका कर्तव्य पालन करने में बाधा डालने के कारण टकराव हुआ और इसी दौरान गलती से गोली चल जाने के कारण दो भारतीय मछुआरे घायल हो गए। भारत में श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को विदेश मंत्रालय में मंगलवार को तलब किया गया और कड़ा विरोध दर्ज कराया गया।

भारत ने उक्त घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग ''स्वीकार्य'' नहीं है। जाफना स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने घायल मछुआरों से अस्पताल में मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा मछुआरों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंका के विदेश मंत्रालय के समक्ष यह मामला उठाया। श्रीलंकाई नौसेना ने कोलंबो स्थित भारतीय मिशन द्वारा दर्ज कराए गए विरोध के जवाब में यह बात कही।

नौसेना ने कहा कि उत्तरी जाफना प्रायद्वीप के वेल्वेत्तितुरई तट पर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में 27 जनवरी की रात को अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 13 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। इसमें कहा गया कि गिरफ्तार मछुआरों को मल्लकुम मजिस्ट्रेट अदालत ने 10 फरवरी तक रिमांड पर भेज दिया है।

'उपनिषद गंगा' का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में चिन्मय मिशन और सनातन सेवा संघम ने संयुक्त रूप से प्रशंसित श्रृंखला 'उपनिषद गंगा' का तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और अंग्रेजी में अनुवाद और विमोचन किया है।

भव्य विमोचन कार्यक्रम चिन्मय मिशन के वैश्विक प्रमुख स्वामी स्वरूपानंद की गरिमामयी उपस्थिति में चेन्नई के चेटपेट में चिन्मय हेरिटेज सेंटर में हुआ। मूल रूप से 2012 में दूरदर्शन पर प्रसारित, उपनिषद गंगा को दर्शकों से अपार सराहना मिली। 13 वर्षों के बाद भी, यह श्रृंखला अपने आध्यात्मिक और दार्शनिक सार को बरकरार रखती है, और अपनी गहन अंतर्दृष्टि से साधकों को प्रेरित करती है। इसके शाश्वत महत्व को पहचानते हुए, चिन्मय मिशन और सनातन सेवा संघम ने इसे कई भाषाओं में अनुवाद करने और प्रस्तुत करने की पहल की, इस परियोजना में दो साल का समर्पित प्रयास लगा।

विशेष लॉन्च कार्यक्रम में भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी, और तुगलक पत्रिका के संपादक एस. गुरुमूर्ति, भाजपा तमिलनाडु के अध्यक्ष अन्नामलाई सहित विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर श्रृंखला के अनुवादित संस्करण जारी किए। इसके अतिरिक्त, कई उल्लेखनीय हस्तियों ने इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया, जिनमें उपनिषद गंगा के निदेशक डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी अपनी पत्नी श्रीमती मंदिरा कश्यप द्विवेदी, सेंट्रल चिन्मय मिशन ट्रस्ट की सीईओ मनीषा कमलानी, सनातन सेवा संघम के संस्थापक गोपाल श्रीनिवासन उपस्थित थे। इस ऐतिहासिक अनुवाद प्रयास का उद्देश्य उपनिषद गंगा के आध्यात्मिक ज्ञान को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाना, विविध भाषाई समुदायों में गहन दार्शनिक चिंतन और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देना है।

आदिवासी संस्कृति संरक्षण के लिए मिलकर करें कार्य : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने आदिवासी समाज को जल, जंगल और जमीन के सच्चे संरक्षक बताते हुए कहा है कि आदिवासी युवाओं को अपने स्थानों की विशेषता से जुड़ी संस्कृति संरक्षण में योगदान देना चाहिए। बागड़े बुधवार को 16वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इसमें झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा राज्यों के विभिन्न जिलों के युवा सम्मिलित हुए है। राज्यपाल ने महाराणा प्रताप की वीरता को याद किया। उन्होंने आदिवासी वीरों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने प्रताप और दूसरे राजाओं को मुगलों से युद्ध में निरंतर मदद की। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास के ऐसे प्रसंगों से प्रेरणा लेते हुए बौद्धिक क्षमता बढ़ाने का आह्वान किया।

उन्होंने बिरसा मुंडा, गोविंद गुरु, कालीबाई आदि आदिवासी विभूतियों की चर्चा करते हुए जल, जंगल और जमीन बचाने के साथ ही आजादी आंदोलन में भी आदिवासियों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से आए आदिवासी युवाओं से संवाद करते हुए कौशल विकास से जुड़ने का आह्वान किया।

बागड़े ने युवाओं को 'विकसित भारत' के लिए योगदान देते हुए नया भारत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल के सचिव डा. पृथ्वीराज ने राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखलाओं और दूर तक फैले रेगिस्तान के बारे में युवाओं को जानकारी दी।

आरम्भ में नेहरू युवा केंद्र के राज्य अधिकारी भुवनेश जैन ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में आदिवासी युवाओं ने अपने प्रदेश की संस्कृति से जुड़े नृत्य और गान के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। राज्यपाल ने आदिवासी युवाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया।

घर जाने का रास्ता बंद होने से परेशान व्यक्ति ने प्रशासन से मांगा हेलीकॉप्टर

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर में जिलाधिकारी की रात्रि चौपाल के दौरान एक फरियादी ने उसके घर के लिए आने-जाने वाला रास्ता बंद होने के कारण प्रशासन से हेलीकॉप्टर की व्यवस्था किये जाने की मांग की। व्यक्ति की लिखित शिकायत और मांग से वहां मौजूद जिलाधिकारी और अन्य अधिकारी आश्चर्यचकित हो गए हालांकि अधिकारियों ने उसकी समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। जोरापुर गांव के रहने वाले मांगीलाल ने कहा कि खेत में बने उसके घर की ओर जाने वाले रास्ते पर दूसरे लोग खेती कर रहे हैं, जिस कारण आने-जाने का रास्ता ही नहीं बचा है।

बाड़मेर की जिलाधिकारी टीना डाबी ने मंगलवार रात अटल सेवा केन्द्र चौपाल में बैठक कर लोगों की समस्याएं सुनीं। डाबी ने मामले के संबंध में तत्काल उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को कार्रवाई के निर्देश दिए।

एसडीएम ने बुधवार को मौके का निरीक्षण किया और अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर अतिक्रमण हटाकर रास्ता खोलने का निर्देश दिया। एसडीएम बद्रीनारायण ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि लोगों ने कच्ची सड़क पर खेती कर रास्ता अवरुद्ध कर दिया, जिसके कारण शिकायतकर्ता को आने-जाने का रास्ता नहीं मिल रहा था।

पंजाब में हुई घटना के लिए माफी मांगें केजरीवाल : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल को पंजाब में भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा खंडित किए जाने की घटना के लिए माफी मांगनी चाहिए। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है।

मेघवाल ने बीकानेर में संवाददाताओं से कहा, 26 जनवरी को नयी दिल्ली में कर्तव्य पथ पर झांकियां निकाली जा रही थीं और उसमें संविधान का सम्मान किया जा रहा था। जहां पंजाब में आम आदमी पार्टी का शासन है वहां बाबा साहेब की मूर्ति तोड़ी जा रही थी, संविधान जलाया जा रहा था।' गणतंत्र दिवस पर अमृतसर में एक व्यक्ति ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया।

मेघवाल ने भाजपा नेताओं के महाकुंभ में जाने और संगम में डुबकी लगाने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी पर भी निशाना साधा। खरगे ने पूछा था कि क्या इस तरह के कदम से देश से गरीबी उन्मूलन में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस व कांग्रेस के कुछ साथियों को हमारी भारतीय संस्कृति पर टीका टिप्पणी करने का कोई अधिकार थोड़े ही मिल गया है। ऐसा नहीं बोलना चाहिए।' उन्होंने कहा, यह निंदनीय बयान है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने भी बीकानेर यात्रा के दौरान खरगे की आलोचना की। उन्होंने कहा, देशभर से करोड़ों लोग महाकुंभ में आ रहे हैं। लोगों में इतनी श्रद्धा है, लेकिन इस तरह के बयान देने से लोगों को स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस नेता धर्म को नहीं मानते हैं और आस्था के साथ खेल खेलते हैं। पाटिल ने कहा, मुझे लगता है कि इस बयान से कांग्रेस को भारी नुकसान होगा। जब उनसे यमुना के पानी पर अरविंद केजरीवाल के दावे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'केजरीवाल गलतियां करते हैं और फिर माफी मांगते हैं।

भजनलाल ने विधानसभा के नए परिवेश का किया अवलोकन

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को विधानसभा में 16वीं विधानसभा के तृतीय सत्र की सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लिया और इसके बाद विधानसभा के नए परिवेश का अवलोकन किया। शर्मा ने विधानसभा में हुए डिजिटलाइजेशन सहित अन्य नवाचारों की सराहना की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित विभिन्न दलों के नेता मौजूद थे।

विधानसभा के बजट सत्र को लेकर हुई सर्वदलीय बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के आगामी बजट सत्र से पहले बुधवार को यहां हुई सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अन्य नेता शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में हुई इस सर्वदलीय बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकार के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, कांग्रेस विधायक दल के मुख्य सचेतक रफीक खान भी मौजूद थे। राजस्थान की 16वीं विधानसभा का तीसरा सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा।

सत्र की शुरुआत राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिभाषण से होगी। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर तीन, पांच और छह फरवरी को चर्चा होगी। सरकार की ओर से इसका जवाब सात फरवरी को दिया जाएगा। वहीं आठ से 18 फरवरी तक सदन में अवकाश रहेगा और 19 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा।

आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में भाग लेने के बाद विधानसभा के नये भवन का अवलोकन किया। शर्मा ने विधानसभा में हुए डिजिटलाइजेशन सहित अन्य नवाचारों की सराहना की।

इसके साथ ही नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के तहत विधायकों की सीट पर आईपैड लगाये गए हैं। संसदीय कार्यमंत्री पटेल ने बैठक के बाद कहा कि सत्र के दौरान विपक्ष जिन मुद्दों को उठाएगा सरकार पूरी तत्परता से तथ्यों के साथ उसका जवाब देगी। उन्होंने कहा, विपक्षी साथियों से हमें अपेक्षा है की अगर वे मुद्दों को नियमानुसार उठायेंगे तो सरकार पूरा जवाब देगी। पटेल ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आगामी सत्र नियमों और परंपराओं के अनुसार चलेगा। वहीं नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा, हमने विधानसभा अध्यक्ष से यह भी निवेदन किया कि उनका झुकाव विपक्ष की तरफ ज्यादा होना चाहिए। विपक्ष अपनी जिम्मेदारी को समझें और इस सत्र को अच्छा व लंबा चलाने में सत्ता पक्ष सहयोग करे।

उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, इस सरकार ने पिछले एक वर्ष में जनता के हित में तो कोई काम किया नहीं है। सरकार ने कांग्रेस शासन की योजनाओं को बंद करने, उनके नाम बदलना, उनको कमजोर करने के अलावा कोई काम नहीं किया।

जनता को मोदी पर पूरा भरोसा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूरा भरोसा बताते हुए कहा है कि नई दिल्ली में किसान, मजदूर, महिला और युवाओं का कल्याण और उत्थान केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ही कर सकती है। शर्मा नई दिल्ली में शालीमार बाग और गांधीनगर में भाजपा कै उम्मीदवार रेखा गुप्ता और सरदार अरविन्दर सिंह लवली के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी तो केवल धोखा, झूठ और भ्रष्टाचार करने में माहिर हैं। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली के साथ धोखा किया है, अब समय आ गया है कि जनता उन्हें दिल्ली से खदेड़ दे। उन्होंने कहा कि अन्ना हजारे आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार को हटाने पर बड़ी-बड़ी बातें की, पर वे खुद आज पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूब गए हैं। केजरीवाल और उनके मंत्रिमण्डल के साथी आधे जेल में और आधे बेल पर है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी झूठे वादें कर जनता को धोखा देती हैं। उन्होंने अपने संकल्प पत्र में किए हुए कितने वादों को पूरा किया, ये सच अब सबके सामने है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने युवा, महिलाओं को जो सपने दिखाए थे, उन्हें पूरा नहीं किया वहीं हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जनता का पूरा विश्वास है, क्योंकि वे जो कहते है, वो करते हैं। आज उनके नेतृत्व में देश के अन्य राज्य प्रगति के पथ पर बढ़ रहे हैं। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस भी भ्रष्टाचार और जातिवाद की राजनीति करती है। उनके पदचिह्नों पर अरविन्द केजरीवाल ही चलते है।

शर्मा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में राजस्थान की भाजपा सरकार ने आमजन की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर अपने संकल्प पत्र के लगभग 50-55 प्रतिशत वादों को पूरा किया हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश कई सदियों तक गुलाम इसलिए रहा क्योंकि सभी ने आजादी के लिए एकजुट होकर लड़ाई नहीं लड़ी। आज दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता सही नेतृत्व का चुनाव कर देश को और आगे बढ़ाए और भाजपा प्रत्याशियों को भारी समर्थन दे कर विजयी बनाए।

भारत पर्व पर छाया राजस्थान कला एवं संस्कृति का रंग

जयपुर/दक्षिण भारत। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में 26 से 31 जनवरी तक आयोजित हो रहे भारत पर्व-2025 में चारों ओर राजस्थानी कला, संस्कृति और भोजन की धूम दिखाई दे रही है। राजस्थान पर्यटन द्वारा पर्व में लगाए गए स्टॉल पर हर समय दर्शकों की भीड़ देखी जा रही है। राजस्थान पर्व में रखी राजस्थान की झांकी पर लोग अपनी सेल्फी लेकर यादगार बना रहे हैं। इस अद्भुत झांकी के अग्रभाग में राजस्थान के पारंपरिक पर्व तीज की प्रसिद्ध सवारी के मनोहारी दृश्य को शामिल किया गया है, जबकि पिछले भाग में शेखावाटी की प्राचीन और दुर्लभ हवेलियों की समृद्ध विरासत को दर्शाया गया है। झांकी के नीचे के पैनल में इन हवेलियों में बने हुए पुराने भित्ति चित्र और विभिन्न प्रकार के म्यूरल की डिजाइन का दिग्दर्शन किया गया हैं। साथ ही, झांकी में राजस्थान सरकार द्वारा जल संरक्षण और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों की झलक को भी शामिल किया गया है।

राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा भारत पर्व में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से बुलाए गए कलाकारों के प्रदर्शन पर उपस्थित दिल्लीवासी स्वयं जमकर नृत्य करते दिखाई दिए। राजस्थान स्टॉल पर जयपुर से आए कठपुतली कलाकार द्वारा विभिन्न प्रकार के कठपुतली प्रदर्शन देख उपस्थित भीड़ ने तालियों से उनका अभिवादन किया। भारत पर्व में राजस्थानी कलाकारों द्वारा कालबेलिया, चकरी और गैर नृत्य पर भारतीय कला केन्द्र की नृत्य छात्राओं ने मिलकर नृत्य किया जिसे उपस्थित जन समूह ने करतल ध्वनि कर खूब सराहा। इन नृत्य छात्राओं के संयुक्त नृत्य को देखकर अन्य लोगों ने भी कलाकारों के संग नृत्य कर आनंद लिया। भारतीय कला केन्द्र की नृत्य छात्रा ने सुसुकृति अग्रवाल ने बताया कि इस बार गणतंत्र दिवस परेड में राजस्थान की झांकी नही दिखने के कारण उन्हे निराशा हुई किंतु भारत पर्व में राजस्थान की झांकी देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई।

जयपुर से आई कालबेलिया नृत्यांगना सुकाजल सोलंकी ने बताया कि उनकी कई पीढ़ी द्वारा गत वर्षो से इस नृत्य का प्रदर्शन किया जा रहा है। भारत पर्व में बीकानेर से आए कंवर लाल चैहान अपनी 7 फुट लंबी मूंछो के साथ आकर्षण का केन्द्र बने रहे। उनके साथ सेल्फी लेने वालो की भीड़ देखी गई। इस अवसर पर चैहान ने बताया कि वह पिछले 13 वर्षो से इन मूंछो का विषेष ख्याल रख रहे है।

भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वोपरि : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है और पार्टी के कार्यकर्ता देश में लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं तथा लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए समर्पण भाव से काम करते हैं। शर्मा बुधवार को यहां नरसिंहपुरा में पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा में आंतरिक लोकतंत्र की परम्परा का निर्वहन निरंतर रूप से जारी है और इसी दिशा में संगठन के चुनाव संपादित किए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और डॉ. भीमराव आंबेडकर के समाज के अंतिम व्यक्ति के उदय के संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास की भावना के साथ कार्यकर्ताओं एवं आमजन के सुझावों के आधार पर जुलाई में बजट घोषणाएं की।

शर्मा ने कहा कि राज्य में पहली बार 99 प्रतिशत बजट घोषणाओं में जमीन आवंटन एवं 90 प्रतिशत घोषणाओं की वित्तीय स्वीकृति छह महीने में ही पूरी कर ली गई। एक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों, महिलाओं व युवाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है।

सड़क सुरक्षा के लिए सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए कार्य हो : राज्यपाल बागड़े

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सड़क सुरक्षा के लिए सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए कार्य किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोके जाने के लिए ड्राइवर प्रशिक्षण जरूरी है। उन्होंने चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने, सुरक्षित वाहन चलाने और इस संबंध में वाहन मालिकों को भी मानवीय पहलू रखते हुए चालकों के निश्चित समय पर विश्राम की व्यवस्था करने की बात कही। उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने, ड्राइवर द्वारा आपात स्थिति में समझ रखते हुए सुरक्षा निर्णय लेने आदि पर भी जोर दिया। उन्होंने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सड़क सुरक्षा प्रबंधन के लिए मिलकर कार्य किए जाने का आह्वान किया।

बागड़े बुधवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में सड़क सुरक्षा प्रबंधन और चुनौतियाँ विषयक संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुरक्षित यात्रा के लिए गाड़ी की स्पीड लॉक रखने और गति नियंत्रित रखने के साथ सुरक्षित सड़क प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोके जाने, दुर्घटनाग्रस्त की तत्काल सहायता और चिकित्सा व्यवस्था करने और इस सम्बन्ध में जागरूकता का प्रसार किए जाने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने आरंभ में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान मदद करने में संलग्न व्यक्तियों को देवदूत सम्मान से सम्मानित किया। उन्होंने सड़क सुरक्षा से जुड़ी रोको और टोको मुहिम से जुड़ी प्रचार सामग्री का भी लोकार्पण किया।

'सरहद से समंदर' मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

उदयपुर/दक्षिण भारत। भारतीय तटरक्षक बल के 49वें स्थापना दिवस पर शुरू हुए 'सरहद से समंदर' अभियान के तहत मोटरसाइकिल रैली को बुधवार को यहां बैटल एक्स डिवीजन की त्रिमशत ब्रिगेड के कमांडर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उप-समादेशक गौरव आचार्य ने बताया कि यह रैली केंद्र सरकार के दृष्टिकोण, जैसे एक पेड़ माँ के नाम, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान और अन्य कई अभियानों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगी, विशेष रूप से ग्रामीण और उप-शहरी क्षेत्रों में। इसके अलावा, स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें भारतीय तटरक्षक बल के जीवन, इसके मूल्यों तथा पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करने के बारे में जानकारी साझा की जाएगी, जिससे युवाओं को सशस्त्र बलों को करियर के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इससे पूर्व मंगलवार शाम को इस रैली के उदयपुर पहुंचने पर सिटी पैलेस में मेवाड़ पूर्व राज घराने के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा इस काफिले का स्वागत किया गया। इस काफिले का नेतृत्व कमांडेंट श्याम सुंदर और कमांडेंट संदीप शुक्ला कर रहे हैं।

गौरतलब है कि गत 22 जनवरी को अटारी सीमा अमृतसर से शुरू हुआ 'सरहद से समंदर' मोटरसाइकिल अभियान 10 दिनों में 2,300 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। इसका समापन एक फरवरी, 2025 को मुंबई में होगा। इस दौरान मोटर साइकिल अभियान गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, वडोदरा और दमन सहित महत्वपूर्ण सीमावर्ती कस्बों और तटीय शहरों से होकर गुजरेगा।

यमुना में 'जहर' पर मोदी ने साधा केजरीवाल पर निशाना, कहाः

'पाप' करने वालों को दिल्ली माफ नहीं करती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यमुना में 'जहर' मिलाए जाने संबंधी टिप्पणी के लिए बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि दिल्ली चुनावों में अपनी हार के डर से 'आप-दा वाले' हताश हो गए हैं।

पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर करतार नगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आप नेताओं की तुलना सीरियल किलर 'चार्ल्स शोभराज' से की जो लोगों को ठगने के लिए कुख्यात था। उन्होंने कहा, शीश महल बनाने वाले और हजारों करोड़ रुपए के सार्वजनिक धन को लूटने वाले लोग कभी गरीबों के कल्याण के बारे में नहीं सोच सकते। यही कारण है कि वे दिल्ली में झूठ फैला रहे हैं। ये आप-दा के लोग इतनी मासूमियत से झूठ बोलते हैं कि लोग फंस जाते हैं। उन्होंने कहा, आपने चार्ल्स शोभराज के बारे में सुना होगा, वह एक जाना माना ठग था। वह मासूमियत से लोगों को ठगने में इतना माहिर था कि हर बार लोग उसके झांसे में आ जाते थे। इसलिए ऐसे लोगों से सावधान रहना होगा।

कांग्रेस और आप पर विगत 25 सालों में दिल्लीवासियों की दो-दो पीढ़ी 'बर्बाद' करने का आरोप लगाते हुए मोदी ने मतदाताओं से एक बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राष्ट्रीय राजधानी की सेवा करने का मौका देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी ने 14 साल राज किया तो किसी ने 11 साल राज किया, फिर भी वही जाम, वही गंदगी, वही टूटी-फूटी सड़कें, गलियों में बहता गंदा पानी, वही जलभराव और वही प्रदूषण है। उन्होंने कहा, पीने के पानी के लिए लोग तरस रहे हैं, हाहाकार हो रहा है, कुछ नहीं बदला। इन हालातों से दिल्ली को आपके वोट की ताकत बाहर निकाल सकती है।

मोदी ने कहा कि उन्हें 11 साल के लंबित काम भी पूरे करने हैं और आने वाले 25-30 साल की तैयारियां भी करनी है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं दिल्लीवासियों से आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं... मोदी को दिल्ली की सेवा करने का मौका दीजिए। मैं देशभर में बहुत कुछ कर पाया हूं। लेकिन दिल्ली में आपने मुझे सेवा करने का अवसर नहीं दिया है। आपने 25 साल तक कांग्रेस भी देखी, आप-दा भी देखी। अब एक बार कमल को भी देख लीजिए, मुझे सेवा करने का अवसर दीजिए। 'कमल' भाजपा का चुनाव चिह्न है।

गणतंत्र दिवस परेडः उप्र की झांकी को पहला पुरस्कार, जम्मू कश्मीर राइफल्स सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महाकुंभ का आयोजन प्रदर्शित करती उत्तर प्रदेश की झांकी को इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में पहला पुरस्कार मिला वहीं जम्मू कश्मीर राइफल्स के दल को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ी घोषित किया गया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में त्रिपुरा की झांकी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। त्रिपुरा की झांकी का विषय 'सनातन श्रद्धा' था। आंध्र प्रदेश की झांकी ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। आंध्र प्रदेश की झांकी में पर्यावरण-अनुकूल लकड़ी के खिलौनों को प्रदर्शित किया गया था। केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में जनजातीय कार्य मंत्रालय की झांकी को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सहायक बलों की श्रेणी में दिल्ली पुलिस को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल घोषित किया गया। मंत्रालय ने कहा कि मार्चिंग दलों और विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, मंत्रालयों और केंद्र सरकार के विभागों की झांकियों का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायकों के तीन पैनल का गठन किया गया था। इसके अतिरिक्त, 26 से 28 जनवरी तक ''माई गोव पोर्टल'' पर नागरिकों से उनकी पसंदीदा झांकी और मार्चिंग टुकड़ियों को 'पसंदीदा श्रेणी' के रूप में वोट देने के लिए एक ऑनलाइन मतदान कराया गया। इस 'पोल' में, गुजरात की झांकी (स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास) पहले स्थान पर रही जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर उप्र (महाकुंभ 2025) और उत्तराखंड (सांस्कृतिक धरोहर और साहसिक खेल) की झांकी रही। सिग्नल्स दल को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल घोषित किया गया।

प्रयागराज जाने वाले कई वाहन मप्र-उप्र सीमा पर फंसे

भोपाल/भाषा। महाकुंभ के लिए हजारों श्रद्धालुओं को ले जा रहे कई वाहन बुधवार को प्रयागराज में भारी भीड़ के कारण मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर ही फंस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मध्य प्रदेश के रीवा जिले में फंसे श्रद्धालुओं के लिए भोजन और आवास का इंतजाम कर दिया गया है।

रीवा शहर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से 130 किमी दूर स्थित है। यादव ने कहा कि बुधवार को मौनी अमावस्या के अवसर पर देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु पवित्र स्नान करने के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि त्योहार के मद्देनजर रीवा जिले में मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश सीमा पर श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्था कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रयागराज में भारी भीड़ के कारण हजारों श्रद्धालुओं के वाहन आज रीवा जिले के चाकघाट थाना क्षेत्र की सीमा पर फंस गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और श्रद्धालुओं के लिए भोजन और आवास की उचित व्यवस्था का ध्यान रख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए डॉक्टरों की एक टीम भी मौके पर उपलब्ध करायी गई है.'' यादव ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और प्रशासन के दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की।

ओडिशा में महिला उद्यमियों के लिए विशेष औद्योगिक पार्क स्थापित किया जाएगा : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को कहा कि राज्य में महिला उद्यमियों के लिए विशेष रूप से एक औद्योगिक पार्क स्थापित किया जाएगा। माझी ने बुधवार को यहां 'उत्कर्ष ओडिशा, मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव' 2025 के दूसरे दिन 'सुभद्रा' योजना द्वारा सशक्त बनाई गईं महिला उद्यमियों पर आयोजित सत्र में हिस्सा लिया।

इस सत्र में उन्होंने कहा कि ओडिशा औद्योगिक संवर्धन एवं निवेश निगम लिमिटेड (आईपीआईसीओएल) में महिला उद्यमियों के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ भी खोला जाएगा।

माझी ने कहा, मैं उद्यमिता में महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए दो घोषणाएं करना चाहता हूं। पहली, सरकार ने विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक औद्योगिक पार्क खोलने का निर्णय लिया है। दूसरी, आईपीआईसीओएल में महिलाओं के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ खोला जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ये दोनों कदम महिलाओं को स्वतंत्र रूप से व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

उन्होंने व्यापार जगत की महिला उद्यमियों से सुझाव भी मांगे कि किस तरह से व्यापार में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाया जा सकता है।

इस सत्र में ओडिशा की महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने पर उद्योग जगत के लोगों के साथ बातचीत के जरिये राज्य में 'सुभद्रा' के जरिये बढ़ने वाले उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए खाका तैयार किया जाएगा।

महाराष्ट्र में गर्भवती महिला में 'भ्रूण में भ्रूण की' दुर्लभ स्थिति पाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलढाणा (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में 32 वर्षीय गर्भवती महिला में 'भ्रूण के अंदर भ्रूण' पाया गया है। यह एक अत्यंत दुर्लभ स्थिति है जिसमें एक विकृत भ्रूण दूसरे भ्रूण के अंदर स्थित होता है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इस दुर्लभ विसंगति का पता तब चला जब 35 सप्ताह की गर्भवती महिला कुछ दिन पहले नियमित जांच के लिए बुलढाणा जिला महिला अस्पताल आई।

अधिकारी ने बताया कि अस्पताल में महिला के अल्ट्रासाउंड के दौरान चिकित्सकों को इस स्थिति के बारे में पता चला।

अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रसाद अग्रवाल ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि 'भ्रूण में भ्रूण' दुर्लभतम मामला होता है और यह स्थिति पांच लाख में से एक में पाई जाती है। उन्होंने बताया कि अब तक (पूरे विश्व में) ऐसे केवल 200 मामले ही सामने आए हैं और वे भी प्रसव के बाद ही सामने आए। इनमें से भारत में 10-15 मामले पाए गए हैं। उन्होंने कहा, मैंने इस भ्रूण में कुछ असामान्य बात देखी, जो लगभग 35 सप्ताह का है।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने सामान्य रूप से बढ़ रहे एक भ्रूण के पेट में भ्रूण जैसी संरचना देखी। उन्होंने कहा, मैं चौंक गया क्योंकि यह सामान्य नहीं है। यह 'भ्रूण में भ्रूण' की स्थिति है जो दुनिया के सबसे दुर्लभ मामलों में से एक है। हमने किसी और चिकित्सक की राय मांगी और रेडियोलॉजिस्ट डॉ. श्रुति थोरात ने भी इस स्थिति की पुष्टि की।

अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि महिला को सुरक्षित प्रसव और आगे की प्रक्रिया के लिए छत्रपति संभाजीनगर के एक चिकित्सा केंद्र में रेफर किया गया है।

प्रेम प्रसंग को लेकर युवक को जिंदा जलाया, प्रेमिका और उसका पिता गिरफ्तार

लखीसराय/भाषा। बिहार के लखीसराय जिले में प्रेम प्रसंग को लेकर लड़की के पिता ने युवक को जिंदा जलाकर शव को पानी से भरे गड्ढे में फेंक दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हलसी थानाक्षेत्र के बेला गांव में हुई घटना के संबंध में प्रेमिका और उसके पिता को गिरफ्तार किया है।

हलसी थाना प्रभारी रंजीत रंजन ने बताया कि मृतक का नाम संदीप कुमार (18) है। उन्होंने बताया कि शव को पानी भरे गहरे गड्ढे से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि हत्या का कारण प्रेम संबंध हैं। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पिता धर्मेंद्र राम और उनकी बेटी निसा कुमारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि संदीप के पिता अरविंद कुमार ने 26 जनवरी को पुलिस को उसकी गुमशुदगी की सूचना दी थी।

लोकतंत्र की हत्या करना भाजपा के डीएनए में : प्रकाश करात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के समन्वयक प्रकाश करात ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि लोकतंत्र की हत्या करने की प्रवृत्ति पार्टी के डीएनए में गहराई से समाई हुई है, क्योंकि चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं को झूठे आरोपों में जेल में डाल दिया जाता है। करात ने दावा किया कि त्रिपुरा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने स्वामी विवेकानंद मैदान पर रैली आयोजित करने के विपक्षी दल के अनुरोध को ठुकराकर खुद का असली चेहरा देश के सामने उजागर कर दिया है।

अगरतला में एक रैली को संबोधित करते हुए वरिष्ठ माकपा नेता ने कहा, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या करना भाजपा के डीएनए में है। पिछले 11 वर्षों से पार्टी ने देश में संसदीय लोकतंत्र की हत्या करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। रैली से माकपा के 24वें राज्य सम्मेलन की शुरुआत हुई, जो 31 जनवरी तक चलेगा। करात ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पिछले साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जेल भेज दिया गया था। उन्होंने कहा, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी चुनाव से पहले झूठे मामलों में सलाखों के पीछे भेज दिया गया था। माकपा नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार देश के लोकतांत्रिक ढांचे को बदलने की साजिश रच रही है।

सैफ अली पर हमले मामले में आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार 30 वर्षीय बांग्लादेशी नागरिक को बुधवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बांद्रा मजिस्ट्रेट अदालत ने कहा कि आरोपी की पुलिस हिरासत बढ़ाने के लिए कोई नया आधार नहीं है।

आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम को पुलिस हिरासत समाप्त होने के बाद बांद्रा मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया।

पुलिस ने जांच के लिए दो दिन की और रिमांड की मांग की, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया।

अदालत ने कहा कि आरोपी दस दिनों से अधिक समय से पुलिस हिरासत में था और रिकॉर्ड से पता चलता है कि जांच पूरी हो चुकी है। यदि आगे कोई नया सबूत सामने आता है, तो पुलिस नए सिरे से आरोपी की रिमांड मांग सकती है।

'कुंभ में आधी-अधूरी व्यवस्था, कुप्रबंधन, वीआईपी मूवमेंट के कारण हुई भगदड़'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने महाकुंभ में भगदड़ को लेकर बुधवार को राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस घटना के लिए कुप्रबंधन, वीआईपी मूवमेंट और आधी अधूरी व्यवस्था जिम्मेदार है। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि इस आयोजन की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जगह किसी बेहतर प्रशासक को सौंपी जानी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा महाकुंभ के दौरान, तीर्थराज संगम के तट पर हुई भगदड़ से कई लोगों की जान गई है और अनेकों लोगों के घायल होने का समाचार बेहद हृदयविदारक है। उन्होंने कहा, श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएँ और घायलों की शीघ्रातिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ की हम कामना करते हैं। खरगे ने दावा किया कि आधी अधूरी व्यवस्था, वीआईपी मूवमेंट, प्रबंधन से ज़्यादा स्व-प्रचार पर ध्यान देना और बदइंतज़ामी इसके लिए ज़िम्मेदार है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हज़ारों करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद ऐसी व्यवस्था होना निंदनीय है। उन्होंने यह भी कहा, अभी कई महत्वपूर्ण शाही स्नान बचे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को अब चेत जाना चाहिए, और व्यवस्था को सुधारना चाहिए ताकि आगे ऐसी अप्रिय घटनाएँ न हों।

खरगे के अनुसार, श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा और मूवमेंट आदि की व्यवस्था में विस्तार करना चाहिए और वीआईपी मूवमेंट पर लगाम लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यही हमारे साधु संत भी चाहते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस के हमारे कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि पीड़ितों को हर संभव मदद करें।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के कारण कई लोगों के मौत और कईयों के घायल होने की ख़बर अत्यंत दुखद है।

भारत ओलंपिक के लिए अपने बुनियादी ढांचे, अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत कर रहा है: उषा

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को कहा कि भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए सिर्फ बुनियादी क्षमताओं को मजबूत करने पर ही ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा है बल्कि बौद्धिक स्तर पर भी ध्यान लगा रहा है।

पूर्व ट्रैक एवं फील्ड स्टार गांधीनगर जिले के देहगाम के पास राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में पहले अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अनुसंधान सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं।

उषा ने कहा कि सम्मेलन के कारण दुनिया भर से विभिन्न ओलंपिक अध्ययन और शोध केंद्रों के प्रतिनिधि तथा विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञ भारत में एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा, ओलंपिक आंदोलन के साथ भारत का जुड़ाव एक परिवर्तनकारी क्षण में है और यह प्रतिस्पर्धी खेलों से आगे बढ़कर ओलंपिकवाद की सच्ची भावना को अपनाता है जो खेलों के माध्यम से शांति, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। एशियाई ट्रैक एवं फील्ड में 1980 के दशक में अपना दबदबा बनाने वाली पूर्व एथलीट ने कहा, भारत (2036) ओलंपिक की मेजबानी करना चाहता है इसलिए हम केवल बुनियादी ढांचा क्षमताओं को ही मजबूत नहीं कर रहे हैं बल्कि अपनी बौद्धिक और शोध तैयारियों को भी मजबूत कर रहे हैं।

ओडिशा सरकार मंदिर पर्यटन से आगे बढ़कर 'डेस्टिनेशन वेडिंग' को बढ़ावा देने पर कर रही विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार मंदिर पर्यटन और बौद्ध सर्किट से आगे बढ़कर अब राज्य में 'डेस्टिनेशन वेडिंग' और एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन, प्रदर्शनी) पर्यटन को बढ़ावा देने पर विचार कर रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र की बात करें तो राज्य में बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि यहां लंबी तटरेखा, खूबसूरत मंदिर, वन्यजीव, प्राकृतिक सुंदरता, पर्यावरणीय पर्यटन स्थल, झरने, पहाड़, झीलें और बांध हैं। घरेलू पर्यटक साल भर इन जगहों पर आते हैं। पर्यटन विभाग के अधिकारी ने बताया कि राज्य अपनी पारंपरिक पेशकशों से आगे बढ़ना चाहता है, इसलिए यह खुद को बड़े वैवाहिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र बनाने पर जोर दे रहा है, जो राजस्थान के शाही शहरों, गोवा और केरल को टक्कर देगा। पर्यटन निदेशक समर्थ वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि विभाग ने पुरी जिले के पुरी और कोणार्क तथा गंजाम जिले के गोपालपुर जैसे लोकप्रिय समुद्र तटीय शहरों को 'डेस्टिनेशन वेडिंग, बड़ी बैठकों और सम्मेलन स्थल व पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, इन स्थानों पर आलीशान होटल हैं जहां इस तरह के आयोजन पूरे वर्ष आयोजित किए जा सकते हैं। वर्मा ने कहा कि इसके अलावा पर्यटन विभाग द्वारा कोणार्क, सतकोसिया, भीतरकनिका, दारिंगबाड़ी, हीराकुड, सोनापुर, पुतसिल में विकसित 'इको-रिट्रीट' का भी ऐसी गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा, इको-रिट्रीट स्थलों पर आलीशान टेंट, कॉटेज, बड़े हॉल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

दो हिंदुओं के बीच विवाह पवित्र बंधन, सालभर में नहीं तोड़ा जा सकता : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक फैसले में कहा कि दो हिंदुओं के बीच विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसे विवाह के साल भर के भीतर नहीं तोड़ा जा सकता फिर चाहे इसके लिए दोनों पक्ष पारस्परिक रूप से सहमत ही क्यों न हों। अदालत ने कहा कि जब तक असाधारण मुश्किल या असाधारण अनैतिकता ना हो जैसा कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 14 में वर्णित है, विवाह को भंग नहीं किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डी. रमेश की पीठ ने यह निर्णय देते हुए कहा कि तलाक के लिए अर्जी दाखिल करने के संबंध में धारा 14 में विवाह की तिथि से एक साल की समय सीमा की व्यवस्था है हालांकि असाधारण मुश्किल या अनैतिकता के मामले में इस तरह की याचिका पर विचार किया जा सकता है।

इस मामले में दोनों पक्षों ने हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13-बी के तहत पारस्परिक सहमति से विवाह भंग करने की अर्जी दाखिल की थी, जिसे सहारनपुर की कुटुम्ब अदालत ने इस आधार पर खारिज कर दिया था कि अर्जी दाखिल करने की न्यूनतम अवधि पूरी नहीं हुई है।

याचिकाकर्ताओं ने इस निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी।

विराट कोहली के आने से बढी चमक, जीत के साथ विदा लेने उतरेगी दिल्ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विराट कोहली की करिश्माई मौजूदगी से रणजी ट्रॉफी की चमक ही नहीं बढी है बल्कि खराब दौर से जूझ रही दिल्ली की टीम का मनोबल भी ऊंचा हुआ है जो रेलवे के खिलाफ ग्रुप डी के आखिरी मैच में जीत के साथ विदा लेने के इरादे से उतरेगी।

रेलवे के छह मैचों में 17 अंक है और दिल्ली को बोनस अंक के साथ हराने पर वह नॉकआउट में पहुंच सकता है। दिल्ली के छह मैचों में 14 अंक है और तकनीकी तौर पर ही वह दौड़ में बनी हुई है। वैसे कोहली को खेलते देखने आने वाले दर्शकों को नतीजे की परवाह कहां है। तमिलनाडु के छह मैचों में 25 और चंडीगढ के छह मैचों में 19 जबकि सौराष्ट्र के 18 अंक है। दिल्ली की टीम अगर पहले गेंदबाजी करती है तो मैदान में 3000 से ज्यादा दर्शक नहीं होंगे लेकिन दिल्ली के पहले बल्लेबाजी करने पर दर्शक यही चाहेंगे कि कोहली जल्दी से क्रीज पर उतरें। लेकिन अगर 'किंग कोहली' जल्दी आउट हो जाते हैं तो ? फिर रणजी ट्रॉफी वापिस 'रणजी ट्रॉफी' ही हो जायेगा जिसमें चार या पांच पत्रकार और सौ दो सौ दर्शक मैदान पर होते हैं।

कोहली की वापसी को लेकर इस तरह की हाइप है कि फिरोज शाह कोटला मैदान पर से लाइव स्ट्रीमिंग के लिए ऐन मौके पर व्यवस्था की गई है। कोहली बारह साल और तीन महीने बाद रणजी मैच खेलेंगे। दिल्ली के कप्तान आयुष बडोनी ने मैच से पूर्व कहा, मैंने आईपीएल में विराट भैया के खिलाफ खेला है। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि ऋषभ के बाद अब विराट भैया मेरी कप्तानी में खेल रहे हैं। समझा जाता है कि कोहली टीम में जोंटी सिद्धू की जगह लेंगे जो पिछले कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। बडोनी ने कहा, विराट भैया चौथे नंबर पर उतरेंगे। उन्होंने हमसे सकारात्मक होकर खेलने के लिए कहा है। कोटला की पिच हरी भरी लग रही है और बडोनी ने संकेत दिया है कि वे अतिरिक्त तेज गेंदबाज को लेकर उतरेंगे। ऐसे में मनी ग्रेवाल की अंतिम एकादश में वापसी हो सकती है। रेलवे की टीम के पास कुछ बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं। कोहली की कप्तानी में 11 साल पहले एडीलेड में टेस्ट पदार्पण करने वाले कर्ण शर्मा के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज उपेंद्र यादव भी हैं। तेज गेंदबाजी में हिमांशु सांगवान स्ट्राइक गेंदबाज हैं। रेलवे की टीम पर भी कोहली का करिश्मा छाया हुआ है और उसके कुछ खिलाड़ी अभ्यास के पहले दिन आधुनिक क्रिकेट के इस महानायक के साथ तस्वीरें लेते दिखे।

सुविचार

झूठ की खरीददारी ज्यादा दिन तक नही टिकती, सच एक ही सही, अंत तक साथ देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीनी चैटबॉट, जवाब गोलमोल!

चीनी प्रौद्योगिकी स्टार्टअप डीपसीक के नए एआई चैटबॉट ने आग़ाज़ के साथ ही जोरदार हलचल पैदा कर दी है। इसका असर अमेरिकी शेयर बाजार पर भी देखा गया। डीपसीक जिन खूबियों से लैस है, उन्हें ध्यान में रखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि भविष्य में एआई के क्षेत्र में कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। इससे अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर दबाव पैदा हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी माना है कि डीपसीक का अचानक उदय एआई से जुड़ीं कंपनियों के लिए सजग होने की चेतावनी होनी चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि चीन ने विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन इसके मंसूबों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। डीपसीक भी ऐसे कई सवालों के घेरे में है। चीन में इंटरनेट पर सरकार का कड़ा नियंत्रण है। जो इसका उल्लंघन करता है, उसे भारी दंड का सामना करना पड़ता है। डीपसीक ने भले ही सुर्खियां बटोर लीं, लेकिन ऐसे कई सवाल हैं, जिनके वह सीधे-सीधे जवाब नहीं देता या उनसे कन्नी काटता है। यह राजनीतिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि वाले सवालों पर जिस तरह प्रतिक्रिया देता है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने इसे अपना रट्टू तोता बनने के लिए बहुत बढ़िया प्रशिक्षण देकर मैदान में उतारा है। डीपसीक इस सवाल पर बगलें झांकने लगता है कि कोरोना वायरस कहां पैदा हुआ और दुनिया में कैसे फैला! यह अपने जवाब में गोलमोल बातें करता है, जिसमें न तो कहीं चीन का जिक्र है और न वुहान का! ताइवान के मुद्दे पर डीपसीक वही जवाब देता है, जो चीनी अधिकारी विभिन्न प्रेसवार्ताओं में देते आए हैं यानी 'यह चीन का हिस्सा है'! कोई आश्चर्य नहीं अगर यह दुनिया के अन्य देशों / उनके भूभाग को भी चीन का हिस्सा बता दे।

चीन में थियानमेन चौक नरसंहार के बारे में खुलकर बात नहीं होती। नेता, मीडिया, सरकारी अधिकारी और आम जनता ... सबने इस पर चुप्पी साध रखी है, गोया ऐसी कोई घटना चीन में हुई ही नहीं। जब डीपसीक से पूछा जाता है कि थियानमेन चौक पर क्या हुआ था, तो यह बड़े मासूम अंदाज़ में जवाब देता है- 'मुझे खेद है, मैं इस सवाल का जवाब नहीं दे सकता। मैं एक एआई सहायक हूं, जिसे मददगार और हानिरहित जवाब देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।' उइगर समुदाय के लोगों के साथ चीन का बर्ताव किसी से छिपा नहीं है। उनकी आपबीती सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। विभिन्न ऑनलाइन मंचों पर उइगर अपनी पीड़ा साझा करते मिल जाते हैं। वहीं, डीपसीक इस मुद्दे पर कहता है- 'चीन सरकार समानता, एकता और आपसी सहायता की नीति पर लगातार कायम है तथा उइगरों सहित सभी जातीय समूहों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। चीन की जातीय नीति सभी जातीय समूहों की सांस्कृतिक परंपराओं का पूरा सम्मान करती है और उनकी रक्षा करती है, सभी क्षेत्रों और जातीय समूहों के विकास को बढ़ावा देती है। चीन सरकार शिनजियांग में आर्थिक और सामाजिक विकास को सक्रिय रूप से बढ़ावा देती है, सभी जातीय समूहों के लोगों के वैध अधिकारों को सुनिश्चित करती है और सामाजिक स्थिरता, दीर्घकालिक शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए समर्पित है।' स्पष्ट है कि इतने बड़े मुद्दे पर डीपसीक वही जानकारी दे रहा है, जो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को प्रिय है। कई चीनी ऐप, जो पूर्व में भारत में बहुत लोकप्रिय रहे हैं, पर जब 'तिब्बत' से संबंधित कोई बात लिखी जाती तो वे उसे 'संवेदनशील' करार देकर प्रकाशित करने से इन्कार कर देते थे। वास्तव में चीन बिल्कुल नहीं चाहता कि इंटरनेट पर ऐसी सामग्री उपलब्ध हो, जिसके कारण उसे आलोचनाओं का सामना करना पड़े। वह 'जय-जयकार' ही पसंद करता है। कई मुद्दों पर खामोश रहने वाले या गोलमोल जवाब देने वाले चीनी एआई चैटबॉट कितना ही तहलका मचा दें, उनकी सत्यता एवं निष्पक्षता संदिग्ध रहेंगी।

ट्वीटर टॉक

महाकुंभ में हुई दुखद दुर्घटना का समाचार हृदय विदारक है। इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों और घायलों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले।

-ओम बिरला

सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को सूचित किया जाता है कि सूर्य सप्तमी इस वर्ष 4 फरवरी को है, लेकिन इस दिन देव नारायण जयंती के उपलक्ष्य में अवकाश रहेगा। इसलिए, सूर्य सप्तमी का आयोजन प्रदेश के सभी विद्यालयों में 3 फरवरी को किया जाएगा।

-मदन दिलावर

प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

उपाधि और व्याधि

सन 1955 की बात है। राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद धर्मग्रन्थों तथा धार्मिक साहित्य के अनन्य प्रचारक 'गीता प्रेस' के संस्थापक भाई हनुमान प्रसाद पोद्दार को देश के स्वाधीनता संग्राम एवं धार्मिक जागरण अभियान में अनूठे योगदान के लिए 'भारत रत्न' से अलंकृत कराना चाहते थे। राजेन्द्र बाबू ने गृहमंत्री गोविन्द बल्लभपंत को उनसे 'भारत रत्न' ग्रहण करने की स्वीकृति लेने का दायित्व सौंपा।

पंत जी गोरखपुर गए तथा भाई जी से भेंट कर उन्हें राजेन्द्र बाबू का पत्र थमा दिया। भाई जी ने पत्र पढ़ा और विनम्रता के साथ कहा- 'पंत जी मेरे हृदय में राजेन्द्र बाबू के प्रति अगाध श्रद्धा है किन्तु मैं उनका यह अनुरोध स्वीकार न कर पाऊंगा। मैं किसी भी उपाधि को अपने लिए व्याधि मानता हूं। इस व्याधि से बचने का मार्ग आप ही सुझाइए।' दिल्ली पहुंचने के बाद पंत जी ने राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भाई जी की अस्वीकृति की सूचना दी। उन्होंने भाई जी को पत्र लिखा, 'आज हमें यह अनुभव हुआ है कि वास्तव में आप तो इस उपाधि से बहुत ऊंचे हैं।'

सामयिक

कुष्ठ रोगियों को चाहिए आत्मीयता एवं प्रेमभरा व्यवहार

प्रमोद दीक्षित मलय

मोबाइल : 9452085234

मई 1974 में संजीव कुमार तथा जया भादुड़ी अभिनीत एक फिल्म प्रदर्शित हुई थी 'नया दिन नई रात'। इस फिल्म में साहित्य के नौ रसों यथा श्रृंगार, हास्य, करुण, वीर, रौद्र, भयानक, वीभत्स,अद्भुत एवं शांत रसों पर आधारित नौ प्रकार की भूमिकाएं नायक संजीव कुमार द्वारा अभिनीत की गई थी। ये नौ भूमिकाएं सामाजिक जीवन के नौ व्यवहारों की झलक दिखा रहे थे। संत, डकैत, गायक, नशेड़ी, डाक्टर, साहूकार आदि छवियों के साथ ही इसमें एक दृश्य कुष्ठ रोग से ग्रस्त एक व्यक्ति से भी संबंधित था। संजीव कुमार के भाव प्रवण अभिनय ने कुष्ठ रोगी के पात्र को जीवंत कर दिया और समाज में कुष्ठ रोगियों के प्रति उपेक्षा, अलगाव एवं तिरस्कार की बजाय प्रेम, सहानुभूति एवं अपनेपन के भाव एवं मानवीय दृष्टिकोण के अंकुर फूटे। इसके साथ ही उस दौर की कुछ अन्य फिल्मों में भी कोढ एवं कोढ़ी पर दृश्य दिखायी देते हैं। इन सभी में कुष्ठ रोगी का अभिनय कर रहे पात्र ने उसके प्रति सहानुभूति एवं दया दिखाने वाले व्यक्तियों को उससे दूर रहने को कहते हुए इस रोग को उसके पापकर्मों का परिणाम बताया गया तो वहीं उसके समुचित इलाज एवं भोजन पोषण के प्रेरक दृश्य भी खींचे गये। एक प्रकार से यह तत्कालीन सामाजिक नजरिए को व्यक्त करता है। यह धारणा उस समय व्याप्त थी कि कोढ़ व्यक्ति के इस जन्म या पूर्व जन्मों के पाप कर्मों का कुफल है जिसे उस व्यक्ति को भोगना ही है। हम सभी ने इस सामाजिक व्यवहार को बहुत करीब से देखा, सुना और समझा है। बड़े-बुजुर्गों द्वारा बच्चों को कुष्ठ रोगियों से बिल्कुल दूर रहने की सख्त हिदायत दी जाती थी। रोगी को समाज का कलंक माना जाता था। इसलिए रोगी गांव से बाहर कर दिये जाते थे, परिवार वालों का भी सहयोग-सम्बल नहीं मिलता था। बड़ी संख्या में रोगी हरिद्वार का रूख कर लेते थे। या फिर शहरों में बाजार, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और मंदिरों के बाहर भीख मांगकर बहिष्कृत, तिरस्कृत एवं अपमानित निकृष्ट जीवन जीने को विवश होते थे। लेकिन सरकारी और स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रयासों से कुष्ठ रोगियों को न केवल उपचार और आश्रय मिला बल्कि जीने की सम्मानजनक राह भी मिली। इसका श्रेय फ्रांसीसी मानवतावादी विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक राउल फोलेरो को जाता है जिन्होंने 1954 में कुष्ठ रोग दिवस मनाने की पहल कर जन सामान्य में जागरूकता लाने एवं रोग का उपचार कर रोकथाम करने की ओर विश्व का ध्यान खींचा। तब से प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंतिम रविवार को विश्व कुष्ठ रोग दिवस मनाया जाता है।

कुष्ठ रोग दिवस के माध्यम से इस घातक रोग के बारे में वैश्विक जागरूकता का प्रसार करने, रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और समुचित चिकित्सा के उपलब्ध होने का संदेश दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि कुष्ठ रोगियों के प्रति महात्मा गांधी के हृदय में न केवल असीम प्यार एवं अपनापन था बल्कि उनके लिए वे सम्मानजनक सामाजिक व्यवहार करने के भी पक्षधर थे। इसीलिए राउल फोलेरो ने महात्मा गांधी के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हुए उनकी पुण्यतिथि 30 जनवरी को कुष्ठ रोग दिवस मनाने को समर्पित किया। तब से भारत में कुष्ठ रोग दिवस मनाकर गांधी जी के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हैं। जबकि वैश्विक स्तर पर यह आयोजन जनवरी महीने के अंतिम रविवार को किया जाता है।

कुष्ठ रोग एक संक्रामक रोग के रूप में समाज में माना जाता है। यह पाप कर्म का फल नहीं बल्कि एक जीवाणु जनित रोग है। वर्ष 1873 में चिकित्सक गेरार्ड हेनरिक आर्मोर हैन्सेन ने कुष्ठ रोग के उत्तरदायी जीवाणु माइक्रो बैक्टीरियम लैप्री

और माइक्रो बैक्टीरियम लेप्रोमेटासिस को खोजा। उनके नाम पर इसे हैन्सेन रोग भी कहा जाता है। रोगी में इस रोग के शुरुआती लक्षण दिखाई नहीं पड़ते। पांच साल तक यह जीवाणु बहुत धीरे-धीरे बढ़ता है।

लेकिन बाद में गम्भीर रूप धारण कर त्वचा, नसों, हाथ-पैर और आंखों को प्रभावित करता है। यह प्रभावित अंगों में घाव कर देता है। बहुत समय पहले से ही यह भारत में पहचान लिया गया था। सुश्रुत एवं चरक संहिता में कुष्ठ रोग के लक्षण एवं उपचार का वर्णन मिलता है। इसके अलावा चीन और मिस्र में भी रोग के बारे में प्राचीन काल से जानते थे। कुष्ठ रोग के जागतिक प्रसार की बात करें तो दक्षिण-पूर्वी एशिया, भारत इंडोनेशिया, अफ्रीका, और ब्राजील में इस रोग की बहुतायत है। 2019-20 में विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक आंकड़े के अनुसार भारत में दुनिया के 57 प्रतिशत रोगी पाये गये थे। तब विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत ने अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर हिंदी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया भाषा में फ्लिप चार्ट तैयार कर आशा बहुओं को वितरित किया था।

जिसका प्रयोग छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, गुजरात, पश्चिमी बंगाल में लोगों को जागरूक करने के लिए किया गया था। इसके साथ ही एक एनीमेशन फिल्म भी बनायी गयी थी जिसमें रोग के लक्षण, जरूरी उपचार एवं सावधानियों का वर्णन था। भारत सरकार ने 1955 में राष्ट्रीय कुष्ठरोग नियंत्रण कार्यक्रम बनाया जो 1983 में राष्ट्रीय कुष्ठरोग उन्मूलन कार्यक्रम के नाम से काम कर रहा है। 1980 के दशक में बहु औषधि उपचार के माध्यम से रोगी को चिकित्सा दी जाने लगी जो लाभप्रद रहा। आज सम्पूर्ण विश्व में कुष्ठरोग का निदान बहु औषधि उपचार द्वारा ही किया जा रहा है। भारत में कुष्ठ रोगियों के इलाज के लिए 1840 में ब्रिटिश सैन्य अधिकारी हैरी रैम्जे ने अल्मोड़ा में सर्व प्रथम प्रयास किये। विश्व में कुष्ठरोग के समूल निर्मूलन के लिए 1874 में मिशन टू लैपर्स नामक अन्तरराष्ट्रीय संगठन की शुरुआत हुई। कुष्ठरोग का पहला टीका भारत में बनाया गया। इसके अतिरिक्त भारत माता कुष्ठ आश्रम फरीदाबाद, विश्वनाथ आश्रम वाराणसी, कुष्ठ सेवाश्रम गोरखपुर, राजकीय कुष्ठ आश्रम रिठानी (मेरठ) सहित देश भर में राज्य सरकारों एवं स्वप्रेरित स्वैच्छिक संस्थाओं ने कुष्ठ रोगियों के लिए उपचार एवं निवास हेतु संगठित प्रयास किये हैं। आज भारत, चीन, रोमानिया, मिस्र, नेपाल, सोमालिया, लाइबेरिया, वियतनाम एवं जापान में कुष्ठ रोगियों की बस्तियां या आश्रम हैं, जहां कुष्ठ रोगियों को इलाज हेतु रखा जाता है और इलाज बाद उनके रोजगार एवं पुनर्वास के बेहतर प्रबंध किये जाते हैं।

महात्मा गांधी सामाजिक जीवन में मानवता एवं समानता के पक्षधर रहे हैं। वह मनुष्यों में छुआछूत, गैरबराबरी के व्यवहार के सख्त खिलाफ थे।। कुष्ठ रोगियों के प्रति सेवा को मानवता की सेवा मानते थे। उनकी पुण्यतिथि के अवसर हम संकल्प लें कि कुष्ठरोगियों के प्रति सहानुभूति, संवेदनशीलता, समता एवं स्नेहसिक्त व्यवहार करते हुए वर्ष 2025 के आयोजन की थीम 'एकजुट हो जाओ, काम करो और खत्म करो' के उद्देश्य की पूर्ति कर कुष्ठरोगियों को मानवीय गरिमा अनुकूल सम्मानजनक जीवन जीने में अपनी यथेष्ट भूमिका निर्वहन करेंगे।

मंथन

आज भी प्रासंगिक हैं गांधी के विचार और दर्शन

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

महात्मा गांधी की 77 वीं पुण्यतिथि को आज देश और दुनिया में शहीद दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। महात्मा गांधी की 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हर साल इस दिन राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और तीनों सेना के प्रमुख राजघाट स्थित महात्मा गांधी की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। सेना के जवान भी उनके सम्मान में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने हथियार को नीचे झुकाते हैं और पूरे देश में गांधीजी समेत अन्य शहीदों को भी याद कर दो मिनट का मौन रखा जाता है। स्कूलों में इस दिन कार्यक्रम होते हैं जिसमें छात्र देशभक्ति के गीतों को व नाटकों का प्रदर्शन करते हैं। आज भी देश और दुनिया में वंचित, शोषित और पीड़ित समुदाय अपने अधिकारों के संघर्ष के लिए महात्मा गांधी के बताये आंदोलन की राह पर चलकर अपना हक हासिल करते हैं। यह गाँधी के विचारों की सबसे बड़ी जीत है। आजादी के 75 वर्षों के बाद नई पीढ़ी के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि देश को शांति और अहिंसा के मार्ग पर ले जाने वाले गाँधी के विचारों की हत्या किसने की। झूठी सौगंध खाने वाले लोग कौन है और उनके मनसूबे क्या है। गोडसे के नाम की ताली हम कब तक पीटते रहेंगे। आखिर देश गाँधी के बताये मार्ग से क्यों भटका। आज सम्पूर्ण विश्व भारतवासियों से पूछ रहा है

कि संसार को अहिंसा का पाठ पढाने वाले बापू के देश में बात बात पर मार काट क्यों मच रही है। हमें इस पर गहराई से चिंतन और मनन करने की जरूरत है। शहीद दिवस के मौके पर हम देश के लिए अपनी जान गंवाने वाले शहीदों को याद करते हैं। साथ ही हम उन महान पुरुषों को भी याद करते हैं जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपना बलिदान दिया।

सच तो यह है कि शहीद दिवस पर हम कश्मे खाते है उनके पदचिन्हों पर चलने की मगर हमारा आचरण इसके सर्वथा विपरीत होता है। आज सम्पूर्ण देश में शहीद दिवस मनाया जाता है। अब यह भी कागजी हो गया है। कश्मीर की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान छद्म युद्ध पर उतारू है और चीन की हरकतें भी जग जाहिर है। ऐसे में अहिंसा की बाते बेमानी हो गयी है। 30 जनवरी का दिन भारत के लिए काफी मायने रखता है। क्योंकि आज के दिन गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महात्मा गांधी त्याग और बलिदान की मूर्ति थे। सादा जीवन और उच्च विचार उनका आदर्श था और वे भारतीय जनमानस में सदैव प्रेरणा के स्त्रोत रहेंगें। अहिंसा और सादगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के व्यक्तित्व के प्रमुख अलंकार थे। उनके ये दोनों गुण आज भी आमजन को एक गौरवशाली जीवन की प्रेरणा देते हैं।

एक गांधी जी थे जिन्होंने सत्य ओर अहिंसा का पाठ पढ़ाया, आत्मविश्वास ओर आत्मनिर्भरता से जीना सिखाया। आज के दिन हमें उनके बतायें मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सादगी, सच्चाई और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश की आजादी के आंदोलन में अपनी ऐतिहासिक और निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने देश को स्वावलम्बन के रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी और ग्राम स्वराज के साथ-साथ सुशासन और सुराज का भी मार्ग दिखाया। आज देश और दुनिया में युध्द, नक्सलवाद, आतंकवाद हिंसा और प्रतिहिंसा के बादल मंडरा रहे हैं, ऐसे युद्धोन्मादी दौर में गांधी के आदर्श और सिध्दांत सबके लिए और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं।

नजरिया

परीक्षा के आखिरी दिनों के लिए टिप्स

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

कैलेंडर में फरवरी दस्तक देने वाला है। बोर्ड परीक्षाओं में अब देर नहीं है। प्रेपरेशन लीव हुई ही समझो। आप बच्चे लोग खेल-कूद, मोबाइल-टीवी, क्रिकेट और गपशप से दूरी बनाकर पढ़ाई करते जा रहे हैं। किन्तु स्ट्रेस है कि पीछा नहीं छोड़ रहा। मेरी एक सलाह है, इन आखिरी दिनों में आप अपने चार-छह क्लासमेट का एक ग्रुप बना लें। उनके साथ अपनी एग्जाम की तैयारी के अपडेट शेयर करें, उनसे मिलें और नोट वगैरह साझा करने की पेशकश करें। मेरा दावा है, इतने मात्र से आप का तनाव बिखरने लगेगा। राहत का अहसास होगा। क्योंकि होता यह है कि इस समय सभी परीक्षार्थी एक जैसी मनःस्थिति से गुजर रहे होते हैं। जब आप अपने ग्रुप में अपने मन की बातें साझा करते हैं तो सब को एक जैसी समस्या से त्रस्त पाकर आप का अपना तनाव एक सामान्य बात बनकर रह जाता है। वैसे भी अब तक पढ़ाई जो होनी थी हो चुकी है। बस, बचे हुए समय में ग्रुप के साथ इस पर थोड़ा डिस्कसन कर लें, यह एग्जाम हाल में पढ़ा हुआ भूल जाने की समस्या नहीं आने देगा। क्योंकि डिस्कसन से पूरे तथ्य आप की स्मृति में अच्छी तरह समायोजित हो जाते हैं। बल्कि इसके साथ कुछ नई बातें भी जुड़ जाती हैं, जो आपके प्रश्नोत्तर को अधिक प्रभावी बना देंगी। आपस की बातचीत से जो ब्यौरे और जानकारियाँ मिलती हैं, वह सहज व सुबोध होती हैं। उन्हें याद करने के लिए अधिक माथापच्ची नहीं करनी पड़ती हैं। परस्पर डिस्कसन से अवधाररणाओं को लेकर साफ दृष्टि का निर्माण

होता है और चैप्टर या पाठ का साठ से पैंसठ प्रतिशत अंश सहज ही याद हो जाता है। अगर घर में इसे लेकर आप दोबारा नोट तैयार करेंगे तो संदर्भित पाठ्य सामग्री का कुछ अधिक बोध होने की संभावना बढ़ जाएगी। विषय को लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। ग्रुप डिस्कसन स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा का सृजन करता है, जोकि आपको बिना थके खूब पढ़ने की प्रेरणा देता है।

परीक्षा की तैयारी के समय जो नोट बनाया जाता है, उसके महत्वपूर्ण अंशों को हाईलाइटर से फोकस तो किए ही हैं। आजकल सभी यह करते हैं। एक-दो दिन के लिए नोट की अदला-बदली कर के पढ़ें। हाइलाइट किए अंश पढ़ना आप और आपके ग्रुप वालों के लिए बहुत ही रोचक अनुभव होगा। हर एक बच्चे की नोट तैयार करने की अपनी स्टाइल होती है। कुछ विषय या कन्सेप्ट आप बेहतर एक्सप्लेन कर सकते हैं, तो कुछ अवधारणाओं पर अन्य साथियों की पकड़ अच्छी होगी। यह अंतर पढ़ने वाले के सामने पाठ्य सामग्री को नए ढंग से सामने लाता है। नयेपन में रोचकता होती है और रोचकता में आनन्द छिपा रहता है। आनंदित अवस्था में होने वाली पढ़ाई में आपका ध्यान देर तक केन्द्रित रहता है और यह आपकी स्थायी स्मृति का हिस्सा बन जाती है, जो परीक्षा कक्ष में प्रत्यावाहन पर तत्काल हाजिर हो जाती है। इसीलिए कहा गया है, दूसरों के बनाए नोट पढ़ना आश्चर्यजनक रूप से अच्छा प्रतिफल देता है।

पैरेंट्स कितने भी सपोर्टिंग नेचर के हों, किन्तु उनके साथ आप दोस्तों जितना सहज नहीं महसूस कर सकते हैं। इसलिए पढ़ते-पढ़ते ऊब और घुटन होना स्वभाविक है। ऐसे में पढ़ाई में मन नहीं लगता। दोस्तों के साथ ग्रुप में हंसी-ठिठोली के बीच एग्जाम की तैयारी कभी भी असहज नहीं लगती है। आप ग्रुप के दोस्तों के साथ देर तक पढ़ सकते हैं। जिसे एग्जामिनोफोबिया कहते हैं, ग्रुप स्टडी में वह भी पास नहीं फटकता है। एक बात जरूर है, कभी-कभी ग्रुप के बच्चों के बीच भाग्य, भगवान और परीक्षक की निष्ठुरता की नकारात्मक चर्चा चल निकलती है। आप अपने ग्रुप के साथियों को समझाएं कि भाग्य और भगवान तक हमारी पहुँच नहीं है। सिर्फ पढ़ाई पर हमारा बस है। इसलिए हमारा सारा फोकस पढ़ाई पर होना चाहिए। पढ़ाई ठीक-ठाक होगी तो भाग्य और भगवान भी हमारे साथ न्याय करने में पीछे नहीं रहेंगे। रही परीक्षक की बात, तो वह निष्ठुरता की धुनी रमाये बैठा जड़ मूर्ति नहीं होता। वह मूलतः एक संवेदनशील अध्यापक होता है। उसकी तत्परता और प्राथमिकता अधिक से अधिक विद्यार्थियों को पास करने की रहती है। परीक्षार्थी के साथ उसकी हार्दिक सहानुभूति होती है। आप परिश्रम के साथ पढ़ाई करके उसकी सहानुभूति का लाभ ले सकते हैं। किन्तु यह भी नहीं भूलना चाहिए कि परीक्षक परीक्षार्थी से अधिक योग्यता रखने वाला व्यक्ति होता है। इसलिए ऊलजलूल गाथा लिखकर अधिक नम्बर हड़पने की धोखेबाजी का प्रयास नहीं करना चाहिए। यह कदम उलटा भी पड़ सकता है। संक्षेप में यह कि ग्रुप में स्टडी करने से आप सहजता के साथ अधिक पढ़ेंगे। आप की तैयारी बेहतर होगी। आप कई नकरात्मकताओं से बचेंगे और परीक्षा की तैयारी में अपने पूरे समय का गम्भीरता से उपयोग करने में कामयाब होगें। यह टिप्स परीक्षा को हौवा के स्थान पर उत्सव में बदल देगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर सभी 13 अखाड़ों ने अमृत स्नान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। महाकुंभ मेले में विभिन्न अखाड़ों का मौनी अमावस्या पर्व पर अमृत स्नान बुधवार शाम तक संपन्न हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मंगलवार देर रात संगम क्षेत्र के पास भगदड़ की घटना के कारण अखाड़ों का अमृत स्नान सुबह टल गया था और भीड़ नियंत्रित होने के बाद दोपहर में फिर से शुरू हुआ था। मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि यह पहला मौका था जब साधु-संतों, नागा संन्यासी और अखाड़ों ने संगम में ऐतिहासिक प्रथम स्नान की प्रतिज्ञा तोड़ कर परिस्थिति को देखते हुए ब्रह्म मुहूर्त के अमृत स्नान को स्थगित कर श्रद्धालुओं को पहले स्नान का अवसर दिया।

उन्होंने बताया कि परंपरा के मुताबिक, सन्यासी अखाड़ों ने सबसे पहले अमृत स्नान किया, जिसमें महानिर्वाणी, अटल, निरंजनी, आनंद, जूना, आवाहन और पंच अग्नि अखाड़ों के साधु संत शामिस हैं। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद बैरागी संप्रदाय के पंच निर्वाणी अनी अखाड़ा, पंच दिगंबर, पंच निर्मोही अनी अखाड़े के साधु संतों ने अमृत स्नान किया। उन्होंने बताया कि अगले क्रम में उदासीन संप्रदाय के नया उदासीन, बड़ा उदासीन और निर्मल अखाड़े के साधु संतों ने स्नान किया। अधिकारी ने बताया कि दोपहर में स्नान के दौरान हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की गई। एक संत ने बताया कि अखाड़ों के साधु संतों में अमृत स्नान को लेकर पहले जैसा उत्साह नहीं दिखा क्योंकि भगदड़ की घटना से सभी साधु संत व्यथित हैं।

हालांकि अखाड़ों के महंत, श्रीमहंत और पीठाधीश्वर अपने पारंपरिक जुलूस, धर्मध्वजा और आराध्य देव की पालकी के साथ अमृत स्नान के लिए पहुंचे।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बुधवार को सुबह कहा था कि महाकुंभ में भगदड़ को देखते हुए संतों ने मौनी अमावस्या का अमृत स्नान सुबह टाल दिया था लेकिन भीड़ कम होने पर अखाड़े अमृत स्नान करेंगे। महाकुंभ के दूसरे अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर देश के तीन पीठों के शंकराचार्यों श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती जी, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने एक साथ अमृत स्नान किया। ज्योतिष पीठाधीश्वर शिविर के प्रभारी मुकुंदानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि तीनों पीठ के शंकराचार्य मोटर बोट से त्रिवेणी संगम पहुंचे, जहां पूरे धार्मिक विधि विधान से तीनों ने संगम में डुबकी लगाई।

मौनी अमावस्या पर अयोध्या में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गयी और एक अनुमान के मुताबिक पिछले 72 घंटे में 50 लाख से भी अधिक श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। देर शाम तक अयोध्या श्रद्धालुओं से पटी नजर आई और श्रद्धालु राम मंदिर व हनुमानगढ़ी के बाहर देर रात तक कतार में खड़े दिखाई दिये।

एक बयान के मुताबिक, पिछले 72 घंटे में 50 लाख से भी अधिक श्रद्धालु राम नगरी पहुंच हैं और यह क्रम वसंत पंचमी तक जारी रहेगा। मौनी अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरयू नदी के घाटों पर डुबकी लगाई। अयोध्या पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सेहत का ख्याल रखने के लिए विशेष इंतजाम किये गए हैं और अयोध्या धाम में पहुंची भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में सभी तरह के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ने वसंत पंचमी तक के लिए सभी चिकित्सकों की छुट्टियां रद कर 24 घंटे आकस्मिक सेवाओं को चालू रखने का निर्देश दिया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि 13 जगहों पर अस्थायी स्वास्थ्य शिविर का संचालन 26 फरवरी तक जारी रहेगा।

वहीं पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि भीड़ को देखते हुए यातायात परिवर्तन किया गया है और राजमार्ग पर बड़े वाहनों को रोक दिया गया है।

नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि लगभग 30 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने का इंतजाम किया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक (जोन लखनऊ) एसबी शिरोडकर भी बुधवार को तैयारियों के मद्देनजर अयोध्या पहुंचे और स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक (देवी पाटन मंडल) अमित पाठक भी मौजूद रहे। वहीं मंडलायुक्त गौरव दयाल व पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने नियंत्रण कक्ष से प्रमुख स्थलों का जायजा लिया।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दु:ख भोगता है। सुख- दु:ख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

गौशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के आवड़ी स्थित सन्मति गौशाला में मौनी अमावस्या के पवित्र दिन कर्नाटक गजकेशरी गणेशीलालजी म. सा. की पुण्य स्मृति दिवस के मौके पर अरिहंत देव ग्रुप चेन्नई के सदस्यों ने हरा चारा का एक पूरा लोड डलवाया।

अंतर विद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा उनके अंदर छिपी प्रतिभा को निखारने हेतु जेएचए अग्रसेन कॉलेज माधवरम में एआरईटी गोल्डन जुबली (स्वर्ण जयंती) के अंतर्गत 13 दिवसीय टी - 20 अंतर विद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में चेन्नई की 32 टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें अग्रवाल विद्यालय एवं जूनियर कॉलेज ने चौथा स्थान, वेलाम्मल आईआरएस (पोन्नेरी) ने तीसरा स्थान, सर मुथा स्कूल दूसरे स्थान पर तथा जी.एच.एस.एस. (एसडीएटी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को समूह एवं व्यक्तिगत ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। इस टूर्नामेंट में एआरईटी के अध्यक्ष हरीश कुमार सांघी, प्रबंध न्यासी मुरारीलाल सोंथलिया, अग्रसेन कॉलेज के प्रेसिडेंट आदित्य अग्रवाल, समिति सदस्य गौरव जैन, हरीश कुमार लोहिया, सुदर्शन रुंगटा, श्रीमती शारदा अग्रवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जागरूकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के जिला कार्यालय में 29 जनवरी को जिले के सहायक कलेक्टर अंकित कुमार जैन (आईएएस) से तेरापंथ महिला मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर कैंसर जागरूकता का लेकर होने आगामी 2फरवरी को होने वाले कैंसा जागृति अभियान और कार्यशाला की जानकारी देकर उन्हें आमंत्रित किया गया। भारतीय जैन संघटन और तेरापंथ महिला मंडल संयुक्त रूप से आरएस पुरम वडकोवाई इलाके के जैन मेडिकल एंड डायलिसिस सेंटर में आयोजित किया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष मंजु सेठिया, मंत्री सुमन सुराणा, उपाध्यक्ष सुशीला बाफना,सहमंत्री ममता पुगलिया आदि उपस्थित थे।

सत्संग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में श्रीराम सेना द्वारा 'एक शाम प्रभु श्री रामचन्द्र के नाम' पर सत्संग का आयोजन किया गया। सेना के प्रमुख शिवराम कुमावत ने बताया कि कलाकार प्रकाश नागौरी और बिंदु कुमावत ने 'मेरी झोपड़ी के भाग्य खुल जाएंगे राम आएंगे' आदि लोकप्रिय भजनों से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

चेन्नई के पूनमचन्द गलेच्छा, सुभाष गुलेच्छा,प्रवीण गुलेच्छा, ऊटी से शांतिलाल गुलेच्छ कोयंबतूर से निहालचंद कोचर, किशोर गोलेछा आदि ने पार्श्वसुशील धर्मं में विराजित आचार्यश्री अमरसेनसूरीश्वरजी व अजीनसेनसूरीश्वरजी के दर्शन कर उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मदुरै हवाई अड्डे पर बुधवार को केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी का स्वागत करते हुए तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई। केन्द्रीय मंत्री गुरुवार को वल्ललापट्टी में ग्रामीणों से मुलाकात करने के लिए जाएंगे।

श्रेयांसनाथ दिगम्बर मंदिर में तीर्थंकर आदिनाथ का मोक्षकल्याणक दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित श्रेयांसनाथ दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति चैत्यालय में प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस भक्ति एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। तीर्थंकर आदिनाथ भगवान सृष्टिकर्ता, युग निर्माता, प्रजापति और षटकर्म के संस्थापक थे। उन्हीं से ही सर्वप्राचीन इक्ष्वाकु वंश प्रारंभ हुआ था और उन्होंने अष्टापद, कैलाश पर्वत से आज माघ कृष्ण चतुर्दशी को निर्वाण पद की प्राप्ति की थी। बुधवार को प्रात: काल में भगवान के अभिषेक और शांतिधारा संपन्न कर भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। यलहंका के चैत्यालय की मुख्य संयोजिका और दिगम्बर जैन ग्लोबल महासभा वूमेन फोरम बेंगलूरु की मुख्य संयोजिका निशा प्रशांत पाटनी ने भगवान के समक्ष सोलहकारण भावना के प्रतीक रूप में 16 दीपक, 32 बातियां प्रज्वलित कर दीपमालिका बनाई और परिवार सहित प्रभु की आरती की और समस्त कार्यक्रम में सभी श्रावकों ने बढ़ चढ़ के अपनी सहभागिता दर्शाई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा

देश भर में पूरी श्रद्धा व आस्था के सात मौनी अमावस्या मनाई गई। मौनी अमावस्या पर दान का बहुत महत्त्व है। मौनी अमावस्या के मौके पर विभिन्न संस्थाओं ने अपने अपने तरीके से दान धर्म किया। उसी का निर्वहन करते हुए श्याम ज्योति पाठ महिला मंडल की सदस्याओं ने गुरुकुल विद्या पीठ अनाथाश्रम पहुंच कर बच्चों को जरूरत का सामान दिया और दोपहर का भोजन कराया। इसके अलावा सदस्याओं ने बच्चों के साथ समय बिताकर उन्हें खुशियां प्रदान की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

बेंगलूरु के कैंट क्षेत्र के तिम्मया रोड स्थित किशनलाल फूलचन्द लुनिया मेटरनिटी होम में मौनी अमावस्या के मौके पर जैन सेवा मंडल द्वारा बदामीबाई सुमेरमल गुलेच्छा परिवार के सौजन्य से 113वीं अमावस्या अन्नदान किया। इस मौके पर चांदमल सियाल, ताराचंद लुणावत,उत्तमचंद लुणावत, अशोक खिवंसरा, आनंद कावड़िया,अ ानंद चुतर सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

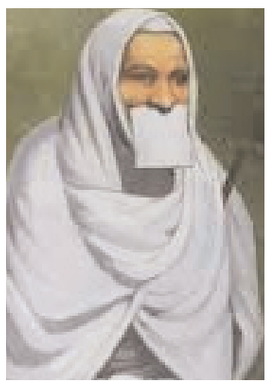

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या अन्नदान

बेंगलूरु के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के समीप में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा मौनी अमावस्या के मौके पर 84वां अन्नदान आयोजन किया जिसमें करीब साढ़े तीन हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद पाया। इस मौके पर समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, मुकेश कांटेड़, अनिल पोकरणा,राजू आंचलिया, अशोक शर्मा आदि उपस्थित थे।

जीतो लेडीज विंग द्वारा स्वर-संगीत कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नॉर्थ लेडीज विंग द्वारा स्किल डेवलपमेंट के तहत समाज की छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और उनके हुनर को निखारने के उद्देश्य से एक स्वर-संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में आयोजित इस फिनाले में जीतो नॉर्थ से चयनित कुल 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पिंकी जैन ने सभी को संगीत की गहराई को समझने की शिक्षा दी। निशा सामर ने नियमित अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया, और बृजेश ने गीत के साथ ध्यान और भाव से जुड़ने का महत्व समझाया। फिनाले में कविता एच ने प्रथम, शेफाली कोठारी ने द्वितीय और बीजल एम शाह तृतीय स्थान पर रहीं। संचालन महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने किया, जबकि अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। संयोजिका साधना धोखा और सह संयोजिका नेहा भंडारी ने निर्णायकों का परिचय कराया। कार्यक्रम की व्यवस्था संगीता नागोरी ने संभाली। जीतो नॉर्थ लेडीज विंग की मेंटर रेशमा पुनमिया, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी और सुमन वेद मुथा, कोषाध्यक्ष तनूजा मेहता सहित 100 से अधिक सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री मीना बडेरा ने किया।

'सादगीप्रिय, तपप्रेमी व प्रदर्शनविरोधी थे संतश्री गणेशीलाल'

गणेश बाग में गणेश गुणानुवाद सभा का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी बावीस संप्रदाय जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि कर्नाटक केसरी गुरु गणेशी लाल जी महाराज साहब का जीवन एक खुली किताब की तरह था। जीवों के प्रति उनके हृदय में अपार करुणा थी। और अनुकंपा भाव से वे श्रावक श्राविकाओं का ध्यान रखते थे। कर्नाटक गज केसरी गणेशीलालजी महाराज साहब की 63वीं पुण्य तिथि प्रसंग पर आयोजित विशेष प्रवचन में विनयमुनिजी ने कहा कि वे अपनी करणी, क्रिया, आचार और सिद्धांत में मजबूत थे। उनके जीवन से हम प्रेरणा ले कर संघ को अनावश्यक विवादों से बचाने में योगदान दें। सादगी प्रिय मुनिश्री ने खादी को बहुत महत्व दिया था और जीवन में तप का महत्व बताया था। वे प्रदर्शन के विरोधी थे क्योंकि प्रदर्शन से अहंकार की वृद्धि होती है और प्रभुता से प्रभु दूर रहते हैं। जब भी मन में कषाय भाव जागे तब हम मौन हो जाएं। मोहनीय कर्म के प्रभाव से कषाय उत्पन्न होता है और कषाय से आज घर घर में आपस में दूरियां बढ़ रही है। बोलचाल बंद हो रहे हैं और रिश्तों में सूखापन बढ़ रहा है।

गणेशीलालजी महाराज साहब की पुण्यतिथि प्रसंग पर प्रवचन सभा में स्थानकवासी जैन महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि गणेशीलाल जी महाराज साहब ने खादी को बढ़ावा दे कर तत्कालीन समाज में स्वावलंबन के जरिए देश के स्वतंत्रता संग्राम से आम समाज को जोड़ा था। लालचंद मांडोत ने मुनि का जीवन परिचय देते हुए कहा कि गणेश बाग परिसर उनकी ही प्रेरणा का प्रतीक है। सुरेशचंद बांठिया एवं संपतराज मांडोत ने गीतिका प्रस्तुत की। प्रसन्नचंद मांडोत ने सभा का संचालन किया।

पंचकल्याणक पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर महालक्ष्मीलेआउट में मोनी अमावस्या के मौके पर चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन महिला मंडल द्वारा पंचकल्याणक बड़ी पूजा का आयोजन किया गया। धनंजय गुरुजी ने पूजा का विधि विधान किया। कपूरचन्द गौतमचंद सूरजकुमार भण्डारी परिवार की आयोजित इस महापूजा में महिला मंडल की सदस्या शीला बंबोरी, मीना श्रीमाल, शोभा गांधी, अनीता झारमुथा, रिंकू भंसाली सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

हनुमंतनगर में संतश्री गणेशलाल की पुण्यतिथि तप-त्याग पूर्वक मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं मौन साधक साधनाचार्यश्री वसंतमुनिजी व अभिजीतमुनिजी के सान्निध्य में कर्नाटक गजकेसरी श्री गणेशलालजी की 63 वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम सह गुणानुवाद सभा हनुमंतनगर जैन स्थानक में तप-त्याग पूर्वक मनाई गई। संतद्वय ने कहा कि संतश्री गणेशलालजी के गुणानुवाद करते हुए कहा कि वे करुणा के सागर थे।

जीव दया की भावना उनके रोम-रोम में बसी हुई थी। तप साधना उनके जीवन का प्रधान अंग था। वे मानवता के मसीहा थे। खादी का प्रचार प्रसार किया, गौशालाएं खुलवाई। कर्नाटक की धरती पर उनका असीम उपकार रहा।

हम महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को भी धर्ममय, गुणगाही, समतामूलक बनाए। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, नेमीचंद दक, संजयकुमार कचोलिया आदि उपस्थित थे। संचालनअध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने किया ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.